RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रूबरू

स्मार्ट हलचल

smarthalchal.com

वर्ष-10 | अंक-207 | जयपुर, बुधवार, 28 जनवरी 2026 | मूल्य-4 रूपये

भारत-यूरोपियन यूनियन में 18 साल बाद ट्रेड डील

भारत और यूरोपीय संघ मिलकर इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर को आगे बढ़ाएंगे: मोदी

नई दिल्ली

भारत और यूरोपियन यूनियन के बीच 18 साल की लंबी बातचीत के बाद मंगलवार को फ्री ट्रेड एग्रीमेंट हो गया है। भारत और यूरोपियन यूनियन के नेताओं ने मंगलवार को 16वें भारत-ईयू समिट के दौरान इसका ऐलान किया।

भारत और 27 देशों के ब्लॉक यूरोपियन यूनियन ने 2007 में शुरू हुई एक ट्रेड डील को आखिरकार पूरा कर लिया है. अंतर्राष्ट्रीय हलकों में इस समझौते का 'मदर ऑफ ऑल डील्स' कहा जा रहा है. भारत-ईयू का ये डील न सिर्फ आंकड़ों में एक भारी भरकम समझौता है बल्कि भारत की स्वतंत्र विदेश और व्यापार नीति की उदघोषणा भी है. इसे अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफ पैंतरे का माकूल जवाब भी कहा जा रहा है.

इस समझौते को 2027 में लागू किए जाने की संभावना है। इस डील के बाद भारत में इम्पोर्ट होने वाली यूरोपीय कारें जैसे कि BMW,

मर्सिडीज पर लगने वाले टैक्स को 110% से घटाकर 10% कर दिया जाएगा। इसके अलावा भारत में यूरोप से आने वाली शराब और वाइन पर टैक्स कम हो सकता है। यूरोपीय देशों की शराब पर अभी 150% टैरिफ लगता है। इसे घटाकर 20-30% किया जाएगा।

भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, जबकि श्व दूसरी सबसे बड़ी। दोनों मिलकर वैश्विक GDP का करीब 25% और दुनिया के कुल व्यापार का लगभग एक-तिहाई हिस्सा रखते हैं।

मोदी बोले- 27 तारीख को 27 देशों के साथ FTA

भारत-यूरोपीय फ्री-ट्रेड एग्रीमेंट पर पीएम मोदी ने कहा कि 27 जनवरी को भारत ने यूरोप के 27 देशों के साथ यह FTA साइन किया है। इससे निवेश को बढ़ावा मिलेगा, नई इनोवेशन साझेदारियां बनेंगी और वैश्विक स्तर पर सप्लाई चेन मजबूत होगी। यह सिर्फ एक व्यापार समझौता नहीं है, बल्कि साझा समृद्धि का रोडमैप है।

प्रधानमंत्री ने बताया कि इस समझौते के तहत भारत और यूरोपीय संघ मिलकर इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर को आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि इस समय दुनिया में वैश्विक व्यवस्था को लेकर उथल-पुथल है, ऐसे में अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में सुधार बहुत जरूरी हो गया है।

इसके बाद पीएम मोदी ने इंडिया-ईयू बिजनेस फोरम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज दुनिया में व्यापार तकनीक और रेयर खनिजों को हथियार बनाकर इनका इस्तेमाल दबाव बनाने के लिए किया जा रहा है, इसलिए भारत और ईयू को मिलकर अपनी निर्भरता कम करनी चाहिए।

गोवा से जुड़ी पहचान मेरे लिए गर्व की बातः कोस्टा

यूरोपीय काउंसिल के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा ने खुद को प्रवासी भारतीय बताया। उन्होंने कहा कि मैं यूरोपीय परिषद का अध्यक्ष हूं, लेकिन साथ ही मैं एक ओवरसीज इंडियन सिटिजन भी हूं। इसलिए, जैसा आप समझ सकते हैं, मेरे लिए इसका एक खास भावनात्मक मतलब है। कोस्टा ने कहा कि मुझे अपनी गोवा से जुड़ी पहचान पर बहुत गर्व है, जहां से मेरे पिता का परिवार आया है। यूरोप और भारत के बीच का रिश्ता मेरे लिए सिर्फ आधिकारिक नहीं, बल्कि निजी भी है।

एफओए से 43 हजार करोड़ के टैरिफ कम होंगे

यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा कि इस फ्री ट्रेड एग्रीमेंट से हर साल करीब 4 अरब यूरो (43 हजार करोड़ रुपए) के टैरिफ कम होंगे और भारत व यूरोप में लाखों लोगों के लिए रोजगार के नए मौके बनेंगे।

उन्होंने कहा कि भारत-ईयू फ्री ट्रेड एग्रीमेंट दुनिया को साफ संदेश देता है कि आज की ग्लोबल चुनौतियों का सबसे अच्छा जवाब आपसी सहयोग है, न कि अलग-थलग होकर फैसले लेना।

भारत-ईयू की ताकत एक दूसरे को पूरा करती हैं

यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर ने भारत में अपने शानदार स्वागत के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष सिर्फ आपस में ज्यादा व्यापार ही नहीं कर रहे, बल्कि एक-दूसरे के भविष्य में निवेश भी कर रहे हैं। दोनों पक्षों की ताकतें एक-दूसरे को पूरा करती हैं और यही वजह है कि यह साझेदारी मजबूत होती जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि दोनों का बड़ा पैमाना उन्हें वैश्विक स्तर पर प्रभावशाली बनाता है।

सोनमर्ग में एवलांच

होटलों को नुकसान, लगातार बर्फबारी जारी

सोमनर्ग

जम्मू कश्मीर के सोनमर्ग में लगातार जारी बर्फबारी से मंगलवार रात एवलांच आया। एवलांच में फिलहाल किसी के हताहत होने की खबर नहीं है लेकिन कई होटलों को नुकसान पहुंचा है।

अधिकारियों ने बताया कि हिमस्खलन मंगलवार रात 10.12 बजे मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले में सोनमर्ग रिजॉर्ट में हुआ। बचाव टीमों को घटनास्थल पर भेज दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि वे स्थिति पर नजर रख रहे हैं।

जम्मू कश्मीर और अन्य पहाड़ी राज्यों में लगातार बर्फबारी जारी है। इसके देखते हुए मौसम विभाग ने एवलांच का अलर्ट जारी किया था।

जम्मू और कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (JKUTDMA) ने गंदरबल, अनंतनाग, बांदीपोरा, बारामूला, कुलगाम और कुपवाड़ा सहित कश्मीर के ग्यारह जिलों और जम्मू क्षेत्र के डोडा, किश्तवाड़, पुंछ, राजौरी और रामबन के लिए हिमस्खलन की चेतावनी जारी की थी।

लगातार बर्फबारी से 58 फ्लाइट्स कैंसिल

मंगलवार को भारी बर्फबारी के कारण जम्मू-श्रीनगर हाईवे बंद रहा। इसके साथ श्रीनगर एयरपोर्ट पर सभी फ्लाइट्स रद्द होने से लोगों को काफी परेशानी हुई।

इमरजेंसी सेवाओं और सशस्त्र बलों की आवाजाही में भी इससे रुकावट आई। अधिकारियों ने बताया कि बचाव और सड़क साफ करने का अभियान जारी लगातार जारी है।

राजस्थान में पांच हजार राशन की दुकानों पर खुलेंगे अन्नपूर्णा भंडार

सुझाव आमंत्रित करने के लिए 3 फरवरी को बैठक

जयपुर

राजस्थान में अल्प आय वर्ग के परिवारों को रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुएं उचित मूल्य पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने 5 हजार उचित मूल्य की दुकानों पर अन्नपूर्णा भंडार खोलने का प्रस्ताव तैयार किया है। इस महत्वाकांक्षी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर राज्य खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति निगम लिमिटेड द्वारा सुझाव आमंत्रित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में एफएमसीजी उत्पादों के राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के उत्पादकों और एग्रीगेटर्स के साथ महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन तीन फरवरी को प्रातः 11:30 बजे निगम मुख्यालय जयपुर में किया जाएगा। बैठक में अन्नपूर्णा भंडार योजना को व्यावहारिक बनाने के लिए उत्पादों की आपूर्ति, गुणवत्ता, मूल्य निर्धारण, वितरण व्यवस्था को लेकर सुझाव लिए जाएंगे।

राजस्थान राज्य खाद्य व नागरिक आपूर्ति निगम लिमिटेड ने एफएमसीजी उत्पादों से जुड़े सभी एग्रीगेटर्स व उत्पादकों से बड़ी संख्या में बैठक में भाग लेने का आग्रह किया है, ताकि योजना को जनहित में सफल बनाया जा सके।

सरपंच ने माइनिंग टीम को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

महिला फोरमैन-इंजीनियर घायल

ब्यावर

ब्यावर जिले में माइन धारकों का सर्वे करने पहुंची टीम पर निवर्तमान सरपंच और ग्रामीणों ने हमला कर दिया। सर्वे शुरू होते ही लोगों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। इंजीनियर और महिला फोरमैन से मारपीट करने लगे। टीम का ड्रोन भी तोड़ दिया।

टीम जान बचाकर कार से भागने लगी तो लोगों ने पथराव कर दिया। जोधपुर से गए इंजीनियर की गाड़ी भी टूट गई। घटना मंगलवार शाम करीब 4 बजे अतीतमंड गांव की है। घटनाक्रम का वीडियो भी सामने आया है। जिसमें सरपंच माइनिंग टीम के साथ झगड़ा करते नजर आ रहा है।

माइन धारकों का ड्रोन सर्वे करने पहुंची थी टीम

साकेत नगर थानाधिकारी जितेंद्र फौजदार ने बताया- माइनिंग विभाग की टीम शाम करीब 4 बजे अतीतमंड गांव में माइन धारकों का ड्रोन सर्वे करने पहुंची थी। सर्वे शुरू होते ही निवर्तमान सरपंच दुष्यंत सिंह सहित कुछ लोगों ने गाली-गलौज और बदतमीजी शुरू कर दी। वरिष्ठ माइनिंग फोरमैन अनिता वीर चंदानी और इंजीनियर प्रितेश के साथ मारपीट की। प्रितेश के कान और कनपटी पर गंभीर चोटें आई हैं।

पथराव कर दो वाहनों को किया क्षतिग्रस्त

थानाधिकारी ने बताया कि हमलावरों ने पथराव कर सरकारी वाहन और जोधपुर से आए इंजीनियर प्रितेश के वाहन को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। पथराव शुरू होते ही टीम कार में बैठकर किसी तरह जान बचाकर भागी।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, तब तक हमलावर फरार हो चुके थे। पुलिस ने दोनों घायलों का मेडिकल परीक्षण कराया और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि अवैध खनन से जुड़े लोग ड्रोन सर्वे नहीं होने देना चाहते थे। इसी कारण ग्रामीणों को उकसाकर इस वारदात को अंजाम दिया गया। पुलिस आसपास के ग्रामीणों से पूछताछ कर आरोपियों की पहचान करने में जुटी है। निवर्तमान सरपंच दुष्यंत सिंह डिटेन किया है। इसके साथ ही अन्य आरोपियों की पहचान की जा रही है। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव की स्थिति को देखते हुए पुलिस निगरानी बढ़ा दी गई है।

नार्को टेस्ट से पहले मर्डर के आरोपी की हत्या, खेत में लहूलुहान मिली बॉडी

जालोर

जालोर जिले में नार्को टेस्ट से 2 दिन पहले मर्डर के नामजद आरोपी की हत्या हो गई। 65 साल का आरोपी किसान रात में खेत की रखवाली करने गया था। सुबह घर नहीं पहुंचा तो बेटा बुलाने गया। खेत में पिता का लहूलुहान शव देख बेटे के होश उड़ गए। किसान के सिर और कान पर धारदार हथियार से वार के निशान थे। पैर टूटा हुआ था। मामला बिशनगढ़ थाना इलाके के एलाना गांव का मंगलवार सुबह 7 बजे का है। डीएसपी गौतम जैन ने बताया- ऐलाना गांव निवासी तेजाराम चौधरी (65) पुत्र सुरथाराम मर्डर के मामले में नामजद था। दो दिन बाद उसका नार्को टेस्ट होने वाला था। इससे पहले ही उसकी हत्या कर दी गई।

तेजाराम ने गांव के ही रहने वाले डॉ. जुगराज के खेत बंटाई पर ले रखे थे। उसके घर से खेत की दूरी 600 मीटर है। तेजाराम सोमवार शाम 4 बजे खेतों की रखवाली करने निकला था। रात को खेत में बने टिनशेड के नीचे सो गया। मंगलवार सुबह 7 बजे तेजाराम का बेटा खेत में पहुंचा तो वहां पिता की लहूलुहान लाश पड़ी थी। उसने बिशनगढ़ थाना पुलिस को फोन पर सूचना दी और परिवार व गांव वालों को जानकारी दी।

अफसर को ऑफिस में बंद कर लात-घूंसों से पीटा

अलवर जिला परिषद में एलडीसी ने बेटे के साथ किया हमला

अलवर

अलवर जिला परिषद कार्यालय में अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी को LDC और उसके बेटे ने लात-घूंसों से पीटा। इस दौरान दोनों ने ऑफिस के गेट को अंदर से बंद कर दिया था। हमले में अफसर के सिर और मुंह पर गंभीर चोटें आई हैं। घायल अधिकारी को तुरंत जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

वेतन संबंधी फाइल को लेकर मंगलवार शाम 4:30 बजे यह

मारपीट हुई। पीड़ित अफसर की तरफ से अरावली विहार थाने में राजकार्य में बाधा और मारपीट का मामला दर्ज कराया है।

घायल अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी जितेंद्र कुमार सैनी ने बताया- तिजारा पंचायत समिति में कार्यरत LDC नाहर सिंह बेटे मनीष के साथ वेतन संबंधी फाइल के मामले को लेकर कार्यालय में आया था। कर्मचारी की कई दिन से वेतन संबंधी फाइल जिला परिषद में थी।

जब नाहर सिंह फाइल की नकल मांगने लगा तो मैंने कहा कि नकल नहीं दे सकते। आप RTI से ले लो। इसके साथ ही उन्हें उच्च अधिकारियों से भी बात करने की सलाह दी। इसी बात से नाराज होकर पिता और बेटे ने ऑफिस का गेट बंद कर दिया और आक्रोशित बाप-बेटे ने लात-घूंसों से मारपीट कर दी। इस दौरान आरोपी के बेटे ने जेब से लोहे की नुकीली चीज से हमला किया। जितेंद्र कुमार सैनी ने बताया- हमले के दौरान मेरे सिर और मुंह पर गंभीर चोटें आईं।

सरकार ने 14 फरवरी तक बढ़ाई तबादलों पर रोक

जयपुर। राज्य सरकार ने कर्मचारियों और अधिकारियों के तबादलों पर लगी रोक को 14 फरवरी तक बढ़ा दिया। इससे पहले स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) प्रक्रिया के चलते राज्य सरकार ने तबादलों पर सात फरवरी तक रोक लगाई थी। प्रशासनिक सुधार विभाग ने मंगलवार को इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। आदेश के अनुसार यदि किसी विशेष या अपरिहार्य परिस्थिति में तबादला करना आवश्यक हो, तो संबंधित विभाग को पहले चुनाव आयोग से अनुमति लेनी होगी।

बजट सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक, 28 जनवरी से शुरू होगा बजट सत्र

सरकार का वीबी-जी राम-जी कानून पर चर्चा से इनकार

नई दिल्ली

संसद के बजट सत्र से पहले सरकार ने विधायी और अन्य एजेंडों पर चर्चा करने के लिए आज सर्वदलीय बैठक बुलाई गई। रक्षा मंत्री की अध्यक्षता में हुई मीटिंग में 35+ पार्टियों के सांसद शामिल हुए। इस दौरान बजट सत्र को सकारात्मक और सुचारू रूप से चलाने को लेकर चर्चा हुई। बजट सत्र 28 जनवरी को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक को संबोधित करने के साथ शुरू होगा। केंद्रीय

बजट 1 फरवरी को पेश होगा। इस दिन रविवार है। ऑल पार्टी मीटिंग के बाद किरेन रिजिजू ने विपक्ष के विधायी एजेंडा शेयर नहीं करने के आरोप पर कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद सरकार अपना एजेंडा शेयर करती है। विपक्ष को बोलने की आजादी है, लेकिन सुनना भी जरूरी है। उन्होंने मनरेगा की जगह लाए गए VB-G RAM-G कानून पर चर्चा की मांग खारिज कर दी। शिवसेना (UBT) MP अरविंद सावंत- सभी ने अपने-अपने राज्यों के हिसाब से अपनी मांगें रखी हैं। प्रदूषण, SIR, बढ़ती बेरोजगारी जैसे कई मुद्दे हैं और भी बहुत कुछ।

समाजवादी पार्टी MP राम गोपाल यादव- इस बजट से किसी को कुछ नहीं मिलने वाला है। बजट उन्हीं के लिए है जिनके पास संपत्ति है। AAP MP संजय सिंह- मैंने यह बात उठाई कि सरकार फॉरेन पॉलिसी पर पूरी तरह फेल रही है, चाहे वह बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार हों या US द्वारा लगातार प्रधानमंत्री को बेइज्जत करने का मामला हो। इन सभी मुद्दों पर चुप्पी देश में चिंता पैदा कर रही है। मैंने शंकराचार्य का मुद्दा भी उठाया, कैसे प्रयागराज में उनका अपमान किया गया।

एसिड अटैक पर केंद्र सख्त कानून बनाए: सुप्रीम कोर्ट

आरोपियों को जब तक दर्दनाक सजा नहीं होगी, ऐसे अपराध नहीं रुकेंगे

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एसिड अटैक मामलों में दोषियों के कड़ी सजा की जरूरत पर सुनवाई की। कोर्ट ने कहा- जब तक सजा आरोपी के लिए दर्दनाक नहीं होगी, ऐसे अपराध रुकने वाले नहीं हैं।

सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस आर. महादेवन, जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने कहा- यहां सुधारवादी दंड सिद्धांत की कोई जगह नहीं है। ऐसे मामलों में दहेज हत्या की तरह आरोपी को ही अपनी बेगुनाही साबित करनी पड़ सकती है।

बेंच ने कहा कि केंद्र सरकार कानून बदलने पर विचार करे। 4 हफ्ते में सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेश एसिड अटैक मामलों से जुड़े आंकड़े दें। इनमें साल दर साल दर्ज मामलों की संख्या, कोर्ट में उनकी स्थिति और पीड़ितों के पुनर्वास से जुड़े कदमों की जानकारी शामिल करे। सीजेआई ने सवाल किया कि दोषियों की संपत्ति जब्त कर पीड़ितों को मुआवजा देने पर क्यों नहीं विचार किया जा सकता। बेंच ने हरियाणा की शाहीना मलिक की दायर जनहित याचिका पर सुनवाई की। शाहीना मलिक खुद एसिड अटैक सर्वाइवर हैं।

हर एसिड अटैक पीड़िता की पढ़ाई, नौकरी, शादीशुदा या अविवाहित होने की स्थिति।

इलाज की हालत और इलाज पर अब तक या आगे होने वाले खर्च का डिटेल।

पीड़ितों के लिए चल रही पुनर्वास योजनाओं की जानकारी, जबरन एसिड पिलाने के मामलों की अलग से डिटेल मांगी गई।

याचिकाकर्ता शाहीना मलिक ने कोर्ट को बताया कि उनके मामले में सभी आरोपी बरी हो चुके हैं। इसके खिलाफ उन्होंने दिल्ली हाईकोर्ट में अपील दायर की है। कोर्ट ने शाहीन की स्थिति को देखते हुए उन्हें मुफ्त कानूनी मदद देने की पेशकश की। साथ ही हा कि शाहीन अपनी पसंद के अच्छे वकीलों की सेवाएं ले सकती हैं।

एसिड अटैक के दौरान 26 साल की थीं शाहीना

शाहीना के मुताबिक एसिड अटैक के वक्त उनकी उम्र 26 साल थी। अब वे 42 साल की हैं। अभी भी अंतिम फैसले का इंतजार कर रही हैं। उन्होंने कहा कि 16 साल तक अदालतों के चक्कर लगाने के बाद भी आरोपियों को बरी कर दिया गया। यह बहुत ही निराशाजनक है।

सुप्रीम कोर्ट ने बताया कि अब तक 15 हाईकोर्ट से एसिड अटैक मामलों से जुड़े पेंडिस केस की जानकारी मिली है। आंकड़ों के मुताबि उत्तर प्रदेश में 198, गुजरात में 114, पश्चिम बंगाल में 60, बिहार में 68 और महाराष्ट्र में 58 मामले अब भी पेंडिग हैं।

कोर्ट ने कहा कि इन आंकड़ों को देखते हुए हाईकोर्ट से ऐसे मामलों की सुनवाई को प्राथमिकता देने की बात कही है। साथ ही तय समय में निपटाने पर विचार करने का कहा गया है।

पश्चिम बंगाल में दो गोदामों में आग, 8 की मौत

कई मजदूर के फंसे होने की आशंका, 12 दमकल गाड़ियों ने आग बुझाई

कोलकाता

पश्चिम बंगाल के साउथ 24 परगना जिले में सोमवार सुबह दो गोदामों में आग लगने से 8 लोगों की मौत हो गई। कई मजदूर लापता हैं। पुलिस के मुताबिक, आग सुबह करीब 3 बजे लगी। दमकल की 12 गाड़ियों ने करीब 7 घंटे की मशक्कत के बाद सुबह 10 बजे आग पर काबू पाया। हालांकि गोदाम के कुछ हिस्सों में देर शाम तक धुआं और आग की लगी रही। शाम करीब 5 बजे तीन शव मिले। बाद में तलाशी के दौरान पांच और शव बरामद किए गए। बारुईपुर पुलिस जिला एसपी शुभेंदु कुमार ने बताया कि सभी शव इतनी बुरी तरह झुलसे हैं कि पहचान संभव

नहीं है। शुरुआत में 6 लोगों के लापता होने की सूचना मिली थी, लेकिन परिजनों का कहना है कि यह संख्या 10 से ज्यादा हो सकती है। गोदाम में एक डेकोरेटिंग कंपनी और एक लोकप्रिय मोमो चेन के मजदूर काम करते थे, जो वहीं अस्थायी कमरों में रहते थे। चार मजदूर ने समय रहते फैक्ट्री से बाहर भागकर अपनी जान बचाई। मृतक और लापता मजदूर पुरबा मेदिनीपुर, पश्चिम मेदिनीपुर और दक्षिण 24 परगना जिलों के रहने वाले हैं।

बीजेपी विधायक अशोक डिंडा ने आरोप लगाया कि आधी रात को गोदाम का मुख्य गेट बंद था, जिससे कई मजदूर बाहर नहीं निकल सके।

फायर सर्विस मंत्री सुजीत बोस ने कहा कि रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। मौके पर हाई-मास्ट लाइटें लगाई गई हैं। फायर सेफ्टी पर सवाल पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि साल में दो बार फायर ऑडिट होता है, लेकिन नियमों का पालन कराना मालिकों और कंपनी अधिकारियों की जिम्मेदारी है।

डांट की जगह प्यार, मोबाइल की जगह पढ़ाई...

नया साल सिर्फ बच्चों के लिए ही नहीं, बल्कि पेरेंट्स के लिए भी आत्ममंथन का समय होता है। अगर माता-पिता कुछ अच्छे रेज़ोल्यूशन्स अपनाएं, तो बच्चों की परवरिश और भविष्य दोनों बेहतर बन सकते हैं। आज के समय में परफेक्ट पेरेंट नहीं, प्रेज़ेंट पेरेंट बनना ज़रूरी है। जब माता-पिता बदलते हैं, तो बच्चे खुद-ब-खुद बेहतर बनते हैं।

बच्चों को समय देने का रेज़ोल्यूशन

आज की भागदौड़ में सबसे ज़्यादा कमी क्वालिटी टाइम की होती है। रोज़ कम से कम 30 मिनट बिना मोबाइल बच्चों के साथ बिताएं, उनकी बातें ध्यान से सुनें। इससे बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है। बच्चे देखकर सीखते हैं। खुद का स्क्रीन टाइम कम करें, खाने और बात करते समय मोबाइल दूर रखें। इससे बच्चों में डिजिटल लत से बचाव होगा

हेल्दी खानपान की आदत खुद अपनाएंगे

जंक फूड कम करें। घर के खाने को प्राथमिकता दें। बच्चा भी वही खाएगा जो माता-पिता खाते हैं। उन्हें नेचर से जोड़ें। बच्चों को कृतज्ञता, विनम्रता सिखाने से अच्छे संस्कार विकसित होते हैं

बच्चों की नींद को प्राथमिकता देंगे

इस बात का प्रण लें कि देर रात मोबाइल/टीवी की आदत नहीं फिक्स स्लीप रूटीन अपनाएंगे। इससे बच्चे की ग्रोथ, इम्युनिटी और पढ़ाई पर असर पड़ता है। उनकी फीलिंग्स को नज़रअंदाज ना करें, डर, गुस्सा, उदासी पर खुलकर बात करें। इससे बच्चा इमोशनली मजबूत बनता है

तुलना करना बंद करेंगे

किसी और बच्चे से अपने बच्चे की तुलना ना करें। बच्चे की यूनिक पहचान को स्वीकार करेंगे। इससे मेंटल प्रेशर और हीन भावना नहीं आती। बच्चे को नंबर से ज़्यादा सीखाने पर फोकस करें। गलती पर डांट नहीं, समझाएं, इससे सीखने का डर खत्म होता है। सिर्फ सख्ती नहीं प्यार और नियम दोनों का संतुलन। इससे बच्चा बात छुपाने की बजाय शेयर करना सीखेगा।

सर्दी में नवजात शिशु की कैसे करें देखभाल?

सर्दियों में सेहत का ध्यान बहुत रखना पड़ता है. छोटे हों या फिर बड़े इस मौसम में हर कोई सर्दी-खांसी और मौसमी बीमारियों से ग्रस्त हो सकता है. ऐसे में नवजात शिशु की देखभाल तो बहुत जरूरी और महत्वपूर्ण हो जाती है, क्योंकि उनकी त्वचा और शरीर अभी भी विकसित हो रहे होते हैं. हैदराबाद के यशोदा हॉस्पिटल्स में कंसल्टेंट पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजिस्ट, डॉ. एन. वर्षा मोनिका रेड्डी ने बताया कि सर्दी के मौसम में न्यूबॉर्न बेबी की देखभाल करने के लिए क्या करना चाहिए.

बच्चे की सेफ्टी

कमरे के तापमान के लिए आदर्श रेंज 20-22एष्ट (68-72एस्न) है. दम घुटने के जोखिम को कम करने के लिए, ढीली रजाई की जगह स्लीप बैग या पहनने वाली कंबल का इस्तेमाल करें. बच्चे को पालने में पीठ के बल लिटाएं, जिसमें तकिए, बंपर या भारी कंबल बिल्कुल न हों. बाहर उनके सिर, हाथों और पैरों को ढकें. घर के अंदर टोपी की जरूरत नहीं है जब तक कि जगह हवादार न हो.

हाइड्रेशन और मॉइश्चराइजेशन

सर्दियों में मौसम में इस बात का ध्यान दें कि आपका बच्चा अच्छी तरह से हाइड्रेटेड और मॉइस्चराइज्ड रहें. न्यूबॉर्न बच्चों को हर दो से तीन दिन में गुनगुने पानी और पेट्रोलियम जेली जैसी खुशबू रहित चीजों से नहलाना चाहिए, क्योंकि ठंडी हवा उनकी नाजुक त्वचा को डिहाइड्रेट कर देती है, जिससे दरारें या डर्मेटाइटिस हो सकता है. बच्चों को अतिरिक्त पानी की जरूरत नहीं होती है, इसलिए उन्हें नियमित रूप से फॉर्मूला या ब्रेस्ट मिल्क देते रहें. डिहाइड्रेशन के संकेतों के लिए गीले डायपर चेक करें, हर दिन कम से कम छह डायपर बदलने की कोशिश करें.

इम्यूनिटी बढ़ाएं

सर्दियों में फ्लू और आरएसवी जैसे वायरस आते हैं. ऐसे में ध्यान रखें कि आपके बच्चे के टीकाकरण पूरे हों, जिसमें छह महीने की उम्र से फ्लू का टीका भी शामिल है. मेहमानों को सीमित करें, खासकर जिन्हें सर्दी-जुकाम हो और सुनिश्चित करें कि वे अपने हाथ धोएं. हीटर से होने वाली सूखी इनडोर हवा से लड़ने और कंजेशन और खांसी को कम करने के लिए, कूल-मिस्ट ह्यूमिडिफायर का इस्तेमाल करें.

बाहर जाने के लिए जरूरी चीजें

अगर ज्यादा ठंड नहीं है, तो छोटी-मोटी सैर की जा सकती है. अगर हवा चल रही है या प्रदूषण है, तो बाहर न जाएं.

परेशानी के संकेत?

सुस्ती, ठीक से खाना न खाना, बुखार या सांस लेने में दिक्कत होने पर तुरंत हॉस्पिटल जाना जरूरी है.

बच्चों के बचपन में पेरेंट्स को भूलकर भी नहीं करनी चाहिए ये 5 गलतियां

बड़े होकर हो सकती हैं कई परेशानियां

हर माता-पिता अपने बच्चे की खुशी के लिए अच्छी से अच्छी परवरिश करना चाहते हैं. लेकिन कई बार कुछ सिखाने और लाड-प्यार के कारण पेरेंट्स जाने-अनजाने कुछ ऐसी गलतियां कर बैठते हैं जो बच्चे के भविष्य पर काफी ज्यादा नेगेटिव असर डालती है. हर मां-बाप को ध्यान रखना चाहिए कि एक बच्चे का बचपन ही उसके पूरे जीवन की नींव होता है. इस दौरान की गई छोटी से छोटी लापरवाही बच्चे के फ्यूचर पर मानसिक और भावनात्मक रूप से नेगेटिव प्रभाव डाल सकती है. ऐसी गलतियों से बच्चों का आत्मविश्वास टूट सकता है और वे डरपोक भी बन सकते हैं. इसी कड़ी में आज हम आपको 5 ऐसी पेरेंटिंग गलतियों के बारे में बताने जा रहे हैं जो माता-पिता अक्सर करते हैं. इन गलतियों से बच्चों को बड़े होकर काफी ज्यादा परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है.

1. दूसरों से तुलना

कई बार जब बच्चों की पढ़ाई या खेल-कूद में अच्छी परफॉर्मेंस नहीं रहती है तो पेरेंट्स दूसरे बच्चों से तुलना करते हैं. इससे बच्चे खुद को दूसरों से काफी कम समझना शुरू कर देते हैं, जो कि काफी गलत है. इससे बच्चों का कॉन्फिडेंस भी टूट सकता है. ऐसे में दूसरों से तुलना करने की जगह आप बच्चों की तारीफ और प्रोत्साहित करें.

2. हमेशा कंट्रोल करने की आदत

कई माता-पिता अपने बच्चों को छोटी-छोटी चीजों पर काफी ज्यादा टोकते हैं या फिर उन्हें कंट्रोल करना शुरू कर देते हैं. हालांकि बच्चों को सीखाना और गलतियों पर समझाना भी काफी जरूरी होता है. लेकिन बार-बार एक ही चीज को लेकर कंट्रोल करने से उनकी डिसीजन लेने की क्षमता काफी कमजोर हो सकती है. ऐसे में बच्चों को दूसरों पर निर्भर रहने की आदत पड़ जाती है.

3. प्यार न दिखाना

अक्सर पेरेंट्स ये सोचते हैं कि ज्यादा लाड-प्यार दिखाने से बच्चा बिगड़ सकता है या फिर गलत फायदा उठा सकता है. लेकिन सच्चाई ये है कि मां-बाप के प्यार दिखाने से बच्चे खुद को मानसिक रूप से मजबूत और सुरक्षित महसूस करते हैं. ऐसे में आप बच्चों के बचपन में उन्हें प्यार दिखाने में बिल्कुल भी कंजूसी न करें.

4. बच्चों की फीलिंग्स को न समझना

छोटे बच्चे अक्सर छोटी-छोटी बातों पर रोना शुरू कर देते हैं और इसपर पेरेंट्स उन्हें डांट देते हैं कि इतनी छोटी बात पर रो क्यों रहे हो? पेरेंट्स का ये व्यवहार बच्चों पर काफी नकारात्मक प्रभाव डालता है. इससे वे अपने इमोशन्स दबाना सीख जाते हैं और छोटी से लेकर बड़ी बातों को माता-पिता से छिपाना शुरू कर देते हैं. ऐसे में पेरेंट्स को बच्चों की फीलिंग्स समझना काफी जरूरी है.

5. परफेक्शन की चाहत

हर मां-बाप चाहते हैं कि उनका बच्चा पढ़ाई से लेकर खेल तक हर फील्ड में टॉप परफॉर्मर रहे. लेकिन कई बार परफेक्शन का दबाव बच्चों में फेल होने का डर बढ़ा देता है. ऐसे में पेरेंट्स को बच्चों पर परफेक्शन का दबाव बनाने से बचना चाहिए.

जो भी पढ़ेंगे सब रहेगा याद बस पढ़ाई से पहले बच्चों को पिलाएं ये ब्रेन बूस्टिंग शेक

अक्सर माता-पिता की शिकायत होती है कि बच्चे पढ़ाई तो करते हैं, लेकिन उन्हें याद नहीं रहता। इसकी एक बड़ी वजह कमजोर याददाश्त और कम एकाग्रता हो सकती है। ऐसे में बच्चों की डाइट में सही पोषण शामिल करना बहुत जरूरी है। सर्टिफाइड न्यूट्रिशनिस्ट राजमनी पटेल ने एक आसान और हेल्दी ब्रेन बूस्टिंग शेक की रेसिपी शेयर की है, जिसे पढ़ाई से पहले पीने पर बच्चों की मेमोरी और फोकस बेहतर हो सकता है।

क्या है ब्रेन बूस्टिंग शेक?

यह शेक पूरी तरह नेचुरल चीजों से बनाया जाता है, जो दिमाग को एक्टिव रखने, याददाश्त मजबूत करने और पढ़ाई के समय ध्यान बढ़ाने में मदद करता है। इसे सुबह नाश्ते में या शाम को पढ़ाई से पहले दिया जा सकता है।

ब्रेन बूस्टिंग शेक की सामग्री

1 पका हुआ केला
5-6 अखरोट (भीगे हुए)
1 गिलास दूध
1 चम्मच शहद या 1-2 खजूर
1 चुटकी दालचीनी पाउडर

कैसे बनाएं यह शेक?

सबसे पहले अखरोट को रातभर या कम से कम 4-5 घंटे पानी में भिगो दें। अब ब्लेंडर में केला, भीगे हुए अखरोट, दूध और शहद या खजूर डालें। सभी चीजों को अच्छी तरह ब्लेंड करें, जब तक शेक स्मूद और क्रीमी न हो जाए। अंत में ऊपर से थोड़ा दालचीनी पाउडर डालें और शेक तैयार है। इसे ठंडा या सामान्य तापमान पर पिलाया जा सकता है।

क्यों है यह शेक बच्चों के लिए फायदेमंद?

केला बच्चों को तुरंत ऊर्जा देता है और दिमाग को फोकस करने में मदद करता है। अखरोट में मौजूद ओमेगा-3 फैटी एसिड और एंटीऑक्सीडेंट याददाश्त और सीखने की क्षमता बढ़ाते हैं। दूध प्रोटीन, कैल्शियम और विटामिन क्का2 से भरपूर होता है, जो दिमाग और नर्वस सिस्टम को मजबूत बनाता है। दालचीनी ब्लड सर्कुलेशन बेहतर करती है, जिससे ब्रेन ज्यादा एक्टिव रहता है।

किन बातों का रखें ध्यान?

अगर बच्चे को लैक्टोज इनटॉलरेंस है, तो दूध की जगह बादाम या ओट्स मिल्क इस्तेमाल करें। अखरोट ज्यादा मात्रा में न डालें, वरना पेट फूलने की समस्या हो सकती है। इस शेक को रात में देर से न दें, क्योंकि इससे भारीपन महसूस हो सकता है। यह ब्रेन बूस्टिंग शेक बच्चों के लिए एक हेल्दी और आसान विकल्प है, जो पढ़ाई से पहले देने पर उनकी याददाश्त और एकाग्रता बढ़ाने में मदद कर सकता है। हालांकि, किसी भी हेल्थ रेसिपी को नियमित रूप से अपनाने से पहले डॉक्टर या न्यूट्रिशन एक्सपर्ट की सलाह लेना बेहतर होता है।

छोटे बच्चों को चाय और कॉफी देना कितना सही है

घर पर हर कोई सुबह उठते ही चाय-कॉफी पीता है, जो बच्चे अपने माता-पिता को रोज घर पर चाय-कॉफी पीते देखते हैं, उनमें भी इसे पीने की इच्छा जागती है. वे चाय-कॉफी मांगने भी लगते हैं. एक्सपर्ट के अनुसार, चाय-कॉफी बड़ों की हेल्थ के लिए अच्छी नहीं होतीं, क्योंकि इनमें कैफीन की मात्रा अधिक होती है. चाय में टैनिन नामक पदार्थ होता है. यह हमारे शरीर को भोजन से आयरन को अवशोषित करने से रोकता है. ऐसे में अगर बच्चों को ऐसी चीजें दें, तो क्या होगा? चलिए आपको बताते हैं बच्चों को चाय और कॉफी देना कितना सही है.

छोटे बच्चों को चाय और कॉफी दें तो क्या होगा?

एक्सपर्ट के अनुसार, दस साल से कम उम्र के बच्चों को गलती से भी चाय और कॉफी नहीं देनी चाहिए. यह उनके स्वास्थ्य के लिए बहुत हानिकारक हो सकता है. इनका शारीरिक विकास पर गहरा प्रभाव पड़ सकता है, ये बच्चों के पाचन तंत्र को भी प्रभावित करते हैं. चाय और कॉफी में कैफीन होता है, जो पेट में अन्य पोषक तत्वों के अवशोषण को रोकता है. इससे बच्चों का शारीरिक विकास धीमा हो जाता है.

नींद की समस्या

चाय और कॉफी में मौजूद कैफीन मानसिक सतर्कता को सीधे प्रभावित कर सकता है. इससे नींद का सामान्य चक्र बिगड़ सकता है. आपके बच्चे दिन में या शाम को चाय पीते हैं, तो इससे उनकी नींद में खलल पड़ सकता है. इससे नींद संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं.

हार्ट हेल्थ

चाय और कॉफी बुजुर्गों से लेकर बच्चों तक सभी के स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डालती हैं. चाय में मौजूद कैफीन हार्ट को नुकसान पहुंचा सकता है और ब्लड प्रेशर को बढ़ा सकता है.

डिप्रेशन

कैफीन डिप्रेशन को बढ़ाने के लिए पर्याप्त है. चाय और कॉफी शरीर में कैफीन के मुख्य स्रोत हैं. चाय पीने से चिंता, अवसाद और तनाव जैसी समस्याएं बढ़ जाती हैं. आपके बच्चे भी चाय पीते हैं, तो उन्हें भी इन समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है.

42 वर्षीय युवक को उतारा मौत के घाट, श्मशान के पास मिली रक्तरंजित लाश

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

भीलवाड़ा जिले के फुलिया कला थाना क्षेत्र में इंसानियत को झकझोर देने वाली वारदात सामने आई है। कल्याणपुरा गांव के शमशान के पास सोमवार को एक युवक की लहूलुहान लाश मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। जिस जगह लोग अपनों की अंतिम विदाई देते हैं, उसी जगह एक निर्दोष युवक की जिंदगी बेरहमी से खत्म कर दी गई। मृतक की पहचान राजियास निवासी राधेश्याम (42) पुत्र रामलाल बावरी के रूप में हुई है। शव की हालत देखकर हर कोई सिहर उठा। शरीर पर कई जगह गहरी चोटों के निशान साफ बता रहे थे कि युवक के साथ बुरी तरह मारपीट की गई और फिर उसे मौत के घाट उतार दिया गया। घटना की सूचना उस समय सामने आई जब कल्याणपुरा निवासी रामपाल बावरी ने मृतक के भाई मुरली बावरी को फोन कर बताया कि उसके भाई की लाश गांव के शमशान के पास पड़ी हुई है। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे, जहां राधेश्याम का निर्जीव शरीर देखकर परिवार में चीख-पुकार मच गई। सूचना पर फुलिया कला थाना प्रभारी राजेंद्र सिंह पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे। देखते ही देखते शमशान क्षेत्र में ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। लोगों में गुस्सा, डर और आक्रोश साफ नजर आ रहा था। पुलिस ने तुरंत शव को कब्जे में लेकर एफ एस एल टीम को बुलाया। टीम ने घटनास्थल से खून के निशान, मिट्टी और अन्य अहम साक्ष्य जुटाए। इसके बाद शव को फुलिया अस्पताल ले जाया गया, जहां मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया, लेकिन परिवार का दर्द और गुस्सा कम नहीं हुआ। मृतक के भाई मुरली बावरी ने पुलिस को दी रिपोर्ट में रामपाल बावरी सहित अन्य लोगों पर मारपीट कर हत्या करने का गंभीर आरोप लगाया है। पुलिस ने नामजद आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार, राधेश्याम का खेत कल्याणपुरा क्षेत्र में स्थित है। वह घर से खेत जाने के लिए निकला था, लेकिन उसे क्या पता था कि यह रास्ता उसकी जिंदगी का आखिरी सफर बन जाएगा। आशंका जताई जा रही है कि खेत के आसपास ही उसे घेरकर हमला किया गया और फिर शव को शमशान के पास फेंक दिया गया, ताकि सबूत मिटाए जा सकें। फिलहाल पुलिस हर एंगल से मामले की गहन जांच कर रही है। आरोपियों की भूमिका, पुरानी रंजिश और वारदात के पीछे की साजिश को खंगाला जा रहा है।

डीएसटी ने बजरी माफियाओं पर चलाया चाबुक, फिल्मी अंदाज में दिया कार्यवाही को अंजाम

डंपर में बैठकर नदी को किया पार, फिर कसा शिकंजा 21 वाहन जब्त

स्मार्ट हलचल

जहाजपुर। बनास नदी में अवैध खनन एवं अवैध परिवहन को रोकने के लिए जिला विशेष टीम (डीएसटी) ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए खनन माफिया पर करारा प्रहार किया। कार्रवाई के दौरान डीएसटी टीम ने फिल्मी अंदाज़ में डम्पर में बैठकर नदी पार की, जबकि दूसरी ओर स्कॉर्पियो वाहन में टीम के अन्य सदस्य पहले से मौजूद रहे। डीएसटी की इस सघन कार्रवाई में कुल 5 जेसीबी मशीनें, 3 डम्पर और 13 ट्रैक्टर जब्त किए गए। अवैध खनन में प्रयुक्त वाहनों को संबंधित थानों में खड़ा कराया गया। पुलिस के अनुसार, जहाजपुर थाना क्षेत्र में 3 जेसीबी, 3 डम्पर एवं 10 ट्रैक्टर जब्त कर थाने में खड़े करवाए गए, जबकि पंडेर थाना क्षेत्र में 2 जेसीबी और 3 ट्रैक्टर को जब्त किया गया। कार्रवाई की सूचना मिलते ही अवैध खनन से जुड़े लोगों में हड़कंप मच गया। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बनास नदी में अवैध खनन किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और आगे भी इस तरह की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

गांजा तस्करी का खुलासा, 26.500 ग्राम गांजा जब्त, 2 गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल

रायला। थाना पुलिस ने एएनटीएफ की सूचना व सहयोग से गांजा तस्करी के एक मामले का खुलासा किया है। पुलिस ने रायला से कुंडिया कला रोड पर एक अल्टो कार का पीछा कर उसे रोका, जिसमें से 26.500 ग्राम गांजा बरामद किया गया।

इस कार्रवाई में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रंगा उर्फ रंगलाल माली निवासी कादेड़ा तथा गंजा उर्फ गजराज निवासी लोदा फुलिया कला के रूप में हुई है।

थाना पुलिस के अनुसार आरोपी अल्टो कार में गांजा लेकर जा रहे थे, तभी एएनटीएफ की सूचना पर टीम ने घेराबंदी कर वाहन को रोक लिया। तलाशी के दौरान गांजा बरामद किया गया। मामले की आगे की जांच थानाधिकारी बनेड़ा के पास है। यह जानकारी रायला थाना अधिकारी मूलचंद वर्मा ने दी।

नगर निगम की अंतिम बोर्ड बैठक आयोजित, 421.84 करोड़ का बजट पारित, कचरा संग्रहण शुल्क वसूलने पर हंगामा

महापौर बोले हमारे कार्यकाल में हमने भीलवाड़ा में विकास को लेकर हरसंभव कार्य किए

स्मार्ट हलचल | पुनित चपलोत

भीलवाड़ा। नगर निगम की अंतिम बोर्ड बैठक मंगलवार को नगर निगम सभागार में आयोजित की गई। बैठक में महापौर राकेश पाठक द्वारा वित्त वर्ष 2026-2027 के लिए 421.84 करोड़ रुपये का बजट प्रस्ताव पेश किया गया, जिसे ध्वनि मत से पारित कर दिया गया। लगभग करीब एक से डेढ़ घंटे चली बोर्ड बैठक में प्रस्तुत बजट में शहर के बुनियादी ढांचे, सफाई व्यवस्था आधुनिकीकरण और निगम की आय बढ़ाने के लिए ठोस योजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

बैठक के बीच में नगर निगम क्षेत्र में आने वाले घरों और भूखंडों से कचरा संग्रहण के नाम पर 200 रूपये तक शुल्क वसूलने के मुद्दे पर पार्षदों ने हंगामा कर दिया। जिस पर महापौर राकेश पाठक ने स्पष्ट किया कि भूखंड के आकार के आधार पर न्यूनतम 20 और अधिकतम 80 रूपये शुल्क ही है। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि फ्री में कुछ काम नहीं करेंगे। इसी प्रकार निगम कर्मचारियों के नियमितकरण और हाईकोर्ट के आदेशों का हवाला देते हुए भी पार्षद खड़े हो गए। जिस पर महापौर ने कहा कि हाईकोर्ट और सरकार के आदेशों की नियम अनुसार पालना की जाएगी।

महापौर ने सदन को अवगत कराया कि आगामी वर्ष के लिए निगम की आर्थिक स्थिति को मजबूती देने के प्रयास किए जा रहे हैं। जिसके तहत कुल प्रस्तावित आय 421 करोड़ 84 लाख (70 करोड़ 51 लाख रूपये प्रारंभिक शेष शामिल) एवं प्रस्तावित व्यय 356 करोड़ 16 लाख रूपये और अंतिम शेष 65 करोड़ 68 लाख रूपये के प्रस्ताव सदन के समक्ष रखे गए।

बैठक में सामुदायिक भवनों के नामकरण के प्रस्ताव के वक्त पार्षदों ने हंगामा करते हुए पक्षपात का आरोप लगाया और पूर्व सांसदों व विधायकों के नाम पर भी नामकरण की मांग की, जिस पर महापौर पाठक ने सहमति जताते हुए प्रस्ताव को पारित करा दिया। वहीं सामुदायिक भवनों के रियायती शुल्क के मामले को लेकर भी कुछ देर विवाद हुआ, जो कुछ देर में शांत हो गया।

चंबल जल योजना के कारण सुभाष नगर वार्ड 64 की सड़कें क्षतिग्रस्त

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

सुभाषनगर वार्ड संख्या 64 के मलान क्षेत्र में चंबल जल योजना के अंतर्गत पानी की पाइपलाइन डाले जाने के कारण सड़कें पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई हैं। जगह-जगह सड़क टूटने से आमजन को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आए दिन दुर्घटनाओं की आशंका बनी हुई है, जिससे स्थानीय लोग चिंतित हैं। जनता ने प्रशासन, संबंधित पार्षद एवं विधायक से सुभाषनगर वार्ड 64 की सभी टूटी हुई सड़कों को शीघ्र दुरुस्त कर पुनर्निर्माण करवाने की मांग की है ओर कहा कि सड़क मरम्मत में हो रही देरी से आमजन को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। यदि शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन का रास्ता अपनाया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

आसींद पुलिस की बड़ी कार्रवाई, चोरी की बड़ी वारदात टली

नेशनल हाईवे 158 पर पुलिस की मुस्तैदी, रंगे हाथों पकड़े गए चोर

स्मार्ट हलचल

आसींद। भीलवाड़ा जिले के आसींद से मंगलवार को बड़ी खबर सामने आई, जहाँ पुलिस की सजगता से चोरी की एक बड़ी वारदात होने से टल गई । नेशनल हाईवे 158 स्थित परासौली चौराहे पर सोमवार देर रात ईको गाड़ी में सवार होकर आए चार बदमाशों ने एक होलसेल किराना दुकान को निशाना बनाने की कोशिश की। गश्त पर तैनात पुलिस के सिपाही मांगीलाल विश्नोई और कन्हैया लाल ने संदिग्ध गाड़ी को देखकर जब पूछताछ शुरू की, तो मौके पर बदमाश दुकान का शटर तोड़ते पाए गए। पुलिस ने घेराबंदी कर चारों आरोपियों को मौके से ही धर दबोचा। पुलिस को मौके से छैनी, हथौड़े और सरिया (टामी) जैसे औजार भी बरामद हुए हैं। पुलिस की इस मुस्तैदी की पूरे इलाके में तारीफ हो रही है।' पुलिस हिरासत में चोरों से पूछताछ की जा रही है तथा और भी कई चोरियो का खुलासा होने की संभावना है जताई जा रही है ।

जर्जर भवन में संचालित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, नवीन भवन की मांग को लेकर जसवंतपुरा के ग्रामीणों का कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। बनेड़ा तहसील के ग्राम पंचायत बैंरा के राजस्व ग्राम जसवंतपुरा स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय के लिए नवीन विद्यालय भवन स्वीकृत कराने की मांग को लेकर मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय पर प्रदर्शन कर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया।

सौंपे ज्ञापन में बताया गया कि विद्यालय जसवंतपुरा तालाब की पाल की जड़ों में बना हुआ है, जिसका निर्माण पूर्व में भामाशाहों के सहयोग से किया गया था। तालाब का भराव क्षेत्र अधिक होने के कारण लगातार पानी का रिसाव विद्यालय परिसर में होता रहता है। इसके चलते पूरे विद्यालय परिसर में हमेशा पानी भरा रहता है और वर्तमान में भी यही स्थिति बनी हुई है। लगातार नमी और जलभराव के कारण विद्यालय भवन जर्जर अवस्था में पहुंच चुका है, जो कभी भी गिर सकता है। इससे विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के साथ किसी बड़े हादसे की आशंका बनी हुई है और भविष्य में भारी जान-माल की क्षति हो सकती है।

ग्रामीणों एवं विद्यालय से जुड़े लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि विद्यार्थियों की सुरक्षा को देखते हुए राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय जसवंतपुरा के लिए शीघ्र नवीन विद्यालय भवन स्वीकृत किया जाए, ताकि बच्चों को सुरक्षित वातावरण में शिक्षा मिल सके।

लाडपुरा विद्यालय में गणतंत्र दिवस की धूम, शान से फहराया तिरंगा

स्मार्ट हलचल

लाडपुरा स्तरीय 77 वां गणतंत्र दिवस समारोह सोमवार को कस्बे के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय लाडपुरा में गणतंत्र दिवस 26 जनवरी को धूमधाम के साथ मनाया गया। गणतंत्र दिवस कार्यक्रम का राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में संस्था प्रधान अमित कुमार सोलंकी द्वारा ध्वजारोहण करने के साथ हुआ इसके पश्चात छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं ग्रामीण जन के द्वारा रैली के रूप में ग्राम भ्रमण करते हुए समस्त राजकीय संस्थान एवं निजी विद्यालयों में ध्वजारोहण करते हुए, मुख्य आयोजन स्थल राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्राथमिक परिसर में पहुंची जहां ग्राम पंचायत के तत्वाधान में आयोजित मुख्य समारोह में ध्वजारोहण प्रकाश कंवर शक्तावत प्रशासक द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जोगणिया माता ट्रस्ट के अध्यक्ष सत्यनारायण जोशी एवं विशिष्ट अतिथि, स्ढ्ढ राम सिंह पुलिस चौकी लाडपुरा, मोहन लाल धाकड़ उप-प्रशासक, सन लाईट उच्च प्राथमिक विद्यालय संस्था प्रधान मोडूलाल माली, मोहन सिंह शक्तावत, पूर्व छात्रसंघ महासचिव प्रदीप कुमार मीणा, आदि गणमान्य लोग उप-स्थत थे। मंच संचालन पुष्पेंद्र कुमार काबरा व्याख्याता ने बताया कि सभी निजी एवं राजकीय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने शारीरिक शिक्षक अनिल कुमार एवं महेंद्र सिंह के निर्देशन में बैंड की धुन पर मार्च पास्ट एवं व्यायाम प्रदर्शन किया। परेड दलों ने मंचासीन अतिथियों को सलामी दी, जिसने कार्यक्रम को राष्ट्रीय गौरव से ओत-प्रोत कर दिया। समारोह में मार्चपास्ट, परेड, पीटी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। सांस्कृतिक प्रभारी मधु तिवारी, रिंकू काबरा व सुधा जीनगर के नेतृत्व में छात्र-छात्राओं ने शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी। जिन पर दर्शकों ने तालियों से उत्साह बढ़ाया। विद्यालय परिसर देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। ग्राम पंचायत प्रशासन द्वारा भामाशाह, उत्कृष्ट सेवा कार्य करने वाले कार्मिकों एवं स्वयंसेवकों का प्रशस्ति पत्र एवं अलंकरण प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पीईईओ अमित सोलंकी द्वारा कक्षा 12 में बोर्ड परीक्षा परिणाम में 90% से अधिक अंक लाने वाले सभी छात्र-छात्राओं के लिए हवाई यात्रा कराने की घोषणा की गई। कार्यक्रम में सभी विद्यालयों के शिक्षक स्टाफ एवं सैकड़ो छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ, देशभक्ति के जयघोषों से गूंज उठा। कार्यक्रम के समापन पर जोशी परिवार के द्वारा जोशी फार्म पर भोजन का आयोजन किया गया।

थाने की दूरी बनी ग्रामीणों की बड़ी परेशानी, तीन पंचायतें फिर रायला थाने से जोड़ने की मांग पर अड़ी

स्मार्ट हलचल

रायला। पंचायत समिति शंभुगढ़ क्षेत्र की ग्राम पंचायत ईरास, गांगलास व जोधड़ास के ग्रामीणों को थाने की दूरी के कारण भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान में इन पंचायतों को गुलाबपुरा व शंभुगढ़ थानों से जोड़ा गया है, जबकि रायला थाना इनसे मात्र 2 से 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। ग्रामीणों के अनुसार ईरास पंचायत से गुलाबपुरा थाना करीब 35 किमी दूर है, जबकि रायला थाना सिर्फ 2 किमी दूर पड़ता है। वहीं गांगलास और जोधड़ास से शंभुगढ़ थाना लगभग 38 किमी दूर है, जबकि रायला थाना केवल 5 किमी की दूरी पर है। पूर्व में ये तीनों पंचायतें रायला थाने के अंतर्गत ही आती थीं।

जिले के पुनर्गठन के दौरान शाहपुरा जिला बनने पर इन पंचायतों की सीमा रायला थाने से हटाकर गुलाबपुरा व शंभुगढ़ थानों में कर दी गई थी। अब शाहपुरा जिला समाप्त हो चुका है, इसके बावजूद थाने की सीमाएं वापस रायला में नहीं की गई हैं।

चोरी की वारदातें बढ़ीं, पुलिस समय पर नहीं पहुंच पा रही

ग्रामीणों का कहना है कि दूरस्थ थानों से जुड़ाव के कारण पुलिस रात के समय गश्त नहीं कर पा रही है, जिससे चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं और चोरों के हौसले बुलंद हैं।

हाइवे से बढ़ रही दुर्घटनाएं

रायला से शंभुगढ़ जाने वाला हाइवे ईरास, गांगलास व जोधड़ास की सीमा से होकर गुजरता है, जहां आए दिन सड़क हादसे होते रहते हैं। सूचना देने के बावजूद दूरी अधिक होने से पुलिस समय पर मौके पर नहीं पहुंच पाती।

चुनाव बहिष्कार की चेतावनी

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही इन पंचायतों को पुनः रायला थाने से नहीं जोड़ा गया, तो आगामी पंचायत राज चुनाव में ग्राम पंचायत ईरास, गांगलास व जोधड़ास के मतदाता चुनाव का बहिष्कार करेंगे। ग्रामीणों की मांग है कि जनहित को देखते हुए प्रशासन तत्काल थाने की सीमाओं में बदलाव कर उन्हें फिर से रायला थाना क्षेत्र में शामिल करे।

बानसेन सहकारी समिति मे हर्षोल्लास से मनाया गणतंत्र दिवस

स्मार्ट हलचल | ओम जैन

शंभूपुरा। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 77वॉ गणतंत्र दिवस सर्वोदय ग्राम सेवा सहकारी समिति लि. बानसेन के तत्वाधान में अध्यक्ष नारायणलाल लढ्ढा के नेतृत्व में मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदीप लढ्ढा प्रशासक उपस्थित थे। इस अवसर पर अध्यक्ष नारायणलाल, उपाध्यक्ष श्यामलाल जाट, कन्हैयालाल वैष्णव, पूर्व जीएसएस अध्यक्ष भैरूलाल, शम्भुलाल जाट, कांग्रेस इकाई अध्यक्ष अशोक लढ्ढा, बार संघ अध्यक्ष उमेश आगार, मिठूसिंह, उपसरपंच मांगीलाल लोढा, भगवतीलाल लढ्ढा, हिम्मत सिंह नाहर, शम्भुलाल, नरेश, धनराज, दिलीप सेन, राजेश सेन, हजारीलाल, हिमांशु शर्मा, हरिसिंह, राजकुमार, कालुलाल, रमेश, उदयलाल, रशीन, हिम्मतसिंह, अशोक लढढा, भरत कुमार, अशोक, संचालन मण्डल के सदस्य एवं कई गणमान्य मौजुद रहे।

कार्रवाई पर सवाल: बनास में बड़ी जब्ती, लेकिन एक भी बजरी माफिया गिरफ्त में नहीं

स्मार्ट हलचल

कार्यवाही पर सवाल ?

जहाजपुर। बनास नदी में अवैध खनन एवं परिवहन के खिलाफ डीएसटी (जिला विशेष टीम) की कार्रवाई ने एक ओर जहां प्रशासन की सक्रियता की छवि पेश की, वहीं दूसरी ओर इस पूरी कार्रवाई ने कई गंभीर सवाल भी खड़े कर दिए हैं। डीएसटी टीम ने कार्रवाई के दौरान 5 जेसीबी मशीनें, 13 ट्रैक्टर और 3 डम्पर जब्त किए, लेकिन हैरानी की बात यह रही कि एक भी अवैध खननकर्ता या चालक पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ सका।

जानकारी के अनुसार, डीएसटी टीम ने फिल्मी अंदाज़ में डम्पर में बैठकर बनास नदी के उस हिस्से में दबिश दी, जहां अवैध बजरी खनन चल रहा था। वहीं, दूसरी ओर टीम के अन्य सदस्य वाहनों के साथ पहले से तैनात बताए गए। लेकिन जैसे ही कार्रवाई शुरू हुई, जेसीबी, ट्रैक्टर और डम्पर चलाने वाले सभी चालक मौके से फरार हो गए, जिससे पूरी कार्रवाई केवल वाहनों की जब्ती तक ही सिमटकर रह गई।

सूत्रों के मुताबिक, जहाजपुर थाना क्षेत्र में 3 जेसीबी, 3 डम्पर और 10 ट्रैक्टर खड़े करवाए गए, जबकि पंडेर थाना क्षेत्र में 2 जेसीबी और 3 ट्रैक्टर जब्त किए गए हैं। इसके बावजूद सबसे बड़ा सवाल यही है कि इतनी बड़ी और योजनाबद्ध कार्रवाई के बाद भी एक भी आरोपी को हिरासत में क्यों नहीं लिया जा सका।

स्थानीय लोगों और जानकारों का कहना है कि केवल मशीनें और वाहन जब्त करने से बजरी माफियाओं पर प्रभावी और स्थायी लगाम नहीं लगाई जा सकती। जब तक मुख्य संचालकों, चालकों और पूरे अवैध नेटवर्क से जुड़े लोगों की गिरफ्तारी नहीं होती, तब तक ऐसी कार्रवाइयों को केवल दिखावटी माना जाएगा। अब जिले की डीएसटी टीम की कार्यप्रणाली और रणनीति पर सवाल उठने लगे हैं। अवैध खनन पर शिकंजा कसने का दावा करने वाली टीम के हाथ एक भी अपराधी न लगना प्रशासन की कार्रवाई पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। आगे प्रशासन इस पूरे मामले में क्या कदम उठाता है और जवाबदेही कैसे तय होती है, इस पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं।

भूले जिम्मेदारी, नहीं फहराया तिरंगा रायपुर उपकोष कार्यालय, सरकारी, गैर सरकारी बैंकों में आज दिन तक नहीं फहराया तिरंगा

स्मार्ट हलचल | रायपुर

सरकारी तंत्र राष्ट्रीय पर्व को लेकर कितना गंभीर है, इसका उदाहरण गणतंत्र दिवस पर देखने को मिला। रायपुर के उपकोष कार्यालय सरकारी कार्यालयों के भवनों एवं रायपुर के सरकारी गैर सरकारी बैंकों पर राष्ट्र ध्वज नहीं फहराया गया। इसे लेकर सरकारी कर्मचारियों की उदासीनता स्पष्ट नजर आई। रायपुर में स्टेट बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, एवं राजस्थान ग्रामीण बैंक की शाखा में जहां कोई कर्मचारी नहीं आया, सभी कार्यालय तिरंगे से सूने नजर आए। उपकोष कार्यालय एवं रायपुर की स्टेट बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा एवं राजस्थान ग्रामीण बैंक पर भी ताला लटका रहा। आजादी के संविधान स्थापना पर्व इतिहास के सुनहरे पन्नों पर अंकित है। 26 जनवरी 1950 को जब देश को संविधान मिला तो पूरा देश गणतंत्र दिवस के महानायकों एवं संविधान निर्माताओं एवं संविधान पाकर देश खुद को धन्य महसूस कर रहा है, लेकिन आजादी के दशको बाद हम अपने वतन के उस संविधान पर्व जैसे महान दिन को भूलते जा रहे हैं। प्रतिवर्ष स्वतन्त्रता एवं गणतंत्र दिवस के पर्व पर सभी सरकारी, अर्द्धसरकारी सहित तमाम कार्यालय पर एवं लोग अपने प्रतिष्ठानों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराकर स्वयं को गौरवान्वित महसूस करते हैं, लेकिन सरकारी तंत्र की शिथिलता कहीं न कहीं नजर जरूर आ जाती है। पूरे देश में गणतंत्र दिवस की वर्षगांठ पर सार्वजनिक अवकाश घोषित रहता है। यह अवकाश इसीलिए होता है कि हम इस पर्व को मिलजुलकर मनाएं, लेकिन सरकारी तंत्र छुट्टी का लाभ उठाकर अपने कर्तव्य को ही भूलता जा रहा है। यह कर्मचारी अपने कार्यालय भवनों तक आना भी अपनी ड्यूटी नहीं समझते। उपखंड क्षेत्र के इस बार भी उपकोष सरकारी कार्यालय भवन राष्ट्र ध्वज फहराने से वंचित रह गए। रायपुर के बैंकों की बात करे तो सभी सरकारी गैर सरकारी बैंकों के कार्यालय पर ताला लटका रहा। यहां कोई ध्वजारोहण करने नहीं आया।

एवरेस्ट से लौटे आकाश लोढ़ा का शाहपुरा में ऐतिहासिक स्वागत

तिरंगे संग निकला विजय जुलूस, भीगती बारिश बनी साक्षी

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। माउंट एवरेस्ट के दक्षिणी बेस कैंप पर तिरंगा फहराकर इतिहास रचने वाले भीलवाड़ा जिले के शाहपुरा निवासी युवा पर्वतारोही आकाश लोढ़ा का मंगलवार को नगर में ऐतिहासिक स्वागत किया गया। जैसे ही आकाश शाहपुरा पहुंचे, पूरा शहर उत्सव में बदल गया। विभिन्न सामाजिक संगठनों, राजनीतिक दलों, महिला मंडलों और युवाओं ने पुष्पमालाओं के साथ उनका अभिनंदन किया। खास बात यह रही कि स्वागत जुलूस में आकाश के साथ उनके माता-पिता भी खुली जीप में सवार रहे, जिनका भी नागरिकों ने सम्मानपूर्वक अभिवादन किया।

धरती देवरा वाटिका से शुरू हुआ यह सम्मान जुलूस नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरा। जुलूस त्रिमूर्ति स्मारक, रामनिवास धाम, बस स्टैंड होते हुए भीलवाड़ा रोड स्थित लोढ़ा हाउस तक पहुंचा। इस दौरान करीब 125 से अधिक स्थानों पर स्वागत-सत्कार किया गया। कहीं पुष्पवर्षा की गई तो कहीं ढोल-नगाड़ों और देशभक्ति गीतों के बीच नारों से माहौल गूंज उठा। आकाश स्वयं रास्ते भर हाथ में तिरंगा लेकर लहराते रहे, जिससे लोगों का उत्साह और बढ़ गया। डीजे साउंड पर युवाओं का जोश देखते ही बन रहा था।

जुलूस के दौरान अचानक बारिश शुरू हो गई, लेकिन इससे स्वागत में कोई कमी नहीं आई। छाते और रेनकोट के बीच भी लोग सड़क किनारे खड़े होकर आकाश का अभिनंदन करते रहे। कई जगहों पर युवाओं ने भीगते हुए तिरंगा लहराया और नारे लगाए। नागरिकों का कहना था कि मानो बारिश ने भी इस वीर सपूत का स्वागत किया हो। भीगते हुए चेहरों पर मुस्कान और गर्व साफ नजर आ रहा था।

आकाश के स्वागत में नगर के सभी वर्गों की भागीदारी देखने को मिली। जैन समाज श्वेतांबर व दिगंबर, महिला मंडल, कांग्रेस पदाधिकारी, शाहपुरा श्याम सेवा समिति, भाजपा कार्यकर्ता, साहित्यकार, यंग स्पोर्ट्स क्लब सहित लगभग सभी सामाजिक संगठनों ने अलग-अलग स्थानों पर स्वागत किया। कई जगहों पर आकाश को दुपट्टा, पगड़ी, शॉल और साफा पहनाकर सम्मानित किया गया। व्यापारिक प्रतिष्ठानों ने स्वागत द्वार सजाए और घरों की छतों से पुष्पवर्षा की गई।

नगरवासियों ने कहा कि आकाश लोढ़ा की उपलब्धि केवल एक व्यक्ति की सफलता नहीं, बल्कि पूरे शाहपुरा के लिए गौरव का विषय है। माइनस तापमान, ऑक्सीजन की कमी और कठिन ट्रैकिंग के बीच एवरेस्ट बेस कैंप तक पहुंचकर तिरंगा फहराना साहस और संकल्प का प्रतीक है। उनकी यह यात्रा युवाओं के लिए प्रेरणा बनेगी और साहसिक खेलों के प्रति रुचि बढ़ाएगी।

जुलूस के दौरान आकाश भावुक नजर आए। उन्होंने हाथ जोड़कर लोगों का अभिवादन किया और कहा कि यह सम्मान उनका व्यक्तिगत नहीं, बल्कि पूरे शाहपुरा का है। उन्होंने युवाओं से अपने सपनों को ऊंचाइयों तक ले जाने और देश का नाम रोशन करने का आह्वान किया। आकाश के माता-पिता ने भी नगरवासियों का आभार व्यक्त किया और कहा कि उन्हें अपने बेटे पर गर्व है कि उसने क्षेत्र का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है।

स्वागत कार्यक्रम के दौरान जगह-जगह देशभक्ति के गीत बजते रहे। 'भारत माता की जय' और 'आकाश लोढ़ा जिंदाबाद' के नारों से शहर गूंजता रहा। छोटे बच्चे हाथों में तिरंगा लिए जुलूस के साथ चलते नजर आए। बुजुर्गों ने इसे शाहपुरा के इतिहास का गौरवपूर्ण क्षण बताया।

बिशनिया, आसोप, बोरड़ा, दातड़ा गांवों में हुई ओलावृष्टि फसलों में पहुंचा नुकसान

स्मार्ट हलचल

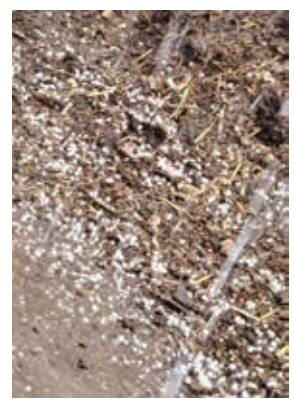

सवाईपुर। कोटड़ी उपखंड के बिशनिया, आसोप, बोरड़ा, दातड़ा गांवों में मंगलवार दोपहर बाद बदले मौसम के मिजाज के चलते क्षेत्र में ओलावृष्टि के होने से फसलों में काफी नुकसान पहुंचा है जिसे लेकर धरतीपुत्र किसान चिंतित नजर आ रहे हैं । सवाईपुर, कोटडी क्षेत्र में आज मंगलवार सुबह से ही मौसम का मिजाज बदला हुआ था, जिसमें क्षेत्र में कहीं गांव में सुबह से ही कई हल्की तो कई रिमझिम बारिश का दौर चला, इसी दौरान बिशनिया, आसोप, बोरड़ा, दातड़ा गांवों में दोपहर बाद करीब 4 बजे क्षेत्र के बिशनिया गांव में 15 से 20 मिनट तक बारिश के साथ ओलावृष्टि हुई, जिसमें मक्का के दाने एवं छोटे बेर के आकार के ओले गिरने से किसानों के खेतों में खड़ी गेहूं, सरसों, चना व जौं की फसल को काफी नुकसान पहुंचा है । बैमौसम हुई इस ओलावृष्टि से फसले खेतों में गिर गई, और किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया।

5 दिवसीय बैंकिंग सप्ताह की मांग को लेकर भीलवाड़ा में बैंक कर्मियों की हड़ताल, 130 से अधिक शाखाओं में कामकाज ठप

1500 करोड़ से ज्यादा का कारोबार प्रभावित

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। राष्ट्रीयकृत बैंकों में 5 दिवसीय बैंकिंग सप्ताह लागू करने की लंबे समय से लंबित मांग को लेकर मंगलवार को जिलेभर में बैंकिंग सेवाएं पूरी तरह ठप रहीं। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) के अखिल भारतीय आह्वान पर आयोजित एक दिवसीय हड़ताल के चलते भीलवाड़ा जिले की 130 से अधिक राष्ट्रीयकृत बैंक शाखाओं में कार्य नहीं हुआ, जिससे आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। हड़ताल के कारण जिलेभर में नकद लेन-देन, अंतरण और समाशोधन कार्य प्रभावित रहे। अनुमान के अनुसार लगभग 1500 करोड़ से अधिक का बैंकिंग कारोबार ठप रहा।

यूएफबीयू की भीलवाड़ा इकाई के तत्वावधान में मंगलवार को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की बसंत विहार शाखा के बाहर प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन में जिलेभर से आए सैकड़ों बैंक अधिकारी और कर्मचारियों ने भाग लिया तथा सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी कर रोष जताया।

प्रदर्शन को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि 12वें द्विपक्षीय समझौते में यूनियनों के साथ 5 दिवसीय बैंकिंग सप्ताह पर सहमति बन चुकी है, इसके बावजूद भारत सरकार द्वारा अब तक इसे लागू नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के कई कार्यालयों, एलआईसी, बीमा क्षेत्र, रिजर्व बैंक, नाबार्ड सहित अनेक संस्थानों में पहले से ही 5 दिवसीय कार्य सप्ताह लागू है, ऐसे में राष्ट्रीयकृत बैंकों को इससे वंचित रखना वित्त मंत्रालय और आईबीए की हठधर्मिता को दर्शाता है। आंदोलन में बड़ी संख्या में सेवा निवृत्त बैंक कर्मचारियों ने भी सहभागिता निभाई और आंदोलनरत कर्मचारियों का उत्साहवर्धन किया। यूएफबीयू ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने शीघ्र ही 5 दिवसीय बैंकिंग सप्ताह की मांग पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया, तो आंदोलन को और अधिक तेज किया जाएगा।

गणतंत्र दिवस पर भीमराव अंबेडकर की तस्वीर नही लगाने को लेकर बवाल, थाने में दी रिपोर्ट

स्मार्ट हलचल

सवाईपुर। जहां एक और देश भर में 77 वां गणतंत्र दिवस बड़ी ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया, वहीं दूसरी ओर क्षेत्र के बड़ला ग्राम पंचायत के पीथास गांव के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की तस्वीर मंच पर नहीं लगाने को लेकर बवाल हो गया और मामला थाने तक पहुंच गया, जिसमें आधा दर्जन से अधिक लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दी । बड़लियास थाना प्रभारी मुन्नीराम चोयल ने बताया कि पीथास निवासी सांवर पिता कल्याण बेरवा ने रिपोर्ट दी की राजकीय प्राथमिक विद्यालय पीथास में 77 वें गणतंत्र दिवस के मौके पर विद्यालय पहुंचा तो वहां देखा कि संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की तस्वीर कार्यक्रम में नहीं लगी हुई थी, जिस पर शिक्षक जितेंद्र शर्मा को बोला तो उन्होंने बताया कि विद्यालय में तस्वीर नहीं है, इस पर हम घर से तस्वीर लेकर आये और लगाने के लिए कहा तो गांव के कुछ लोगों ने तस्वीर को देखते हुए, वहां मौजूद लोगों के सामने गाली गलौज करने लगे तथा जाति सूचक शब्दों से अपमान किया । इस पर विद्यालय परिवार व ग्रामीणों ने दोनों पक्ष के लोगों से समझाइश की, लेकिन मामला बढ़ता देखकर गणतंत्र दिवस के कार्यक्रम को भी बंद कर दिया । इस पर सात जनों के खिलाफ थाने में रिपोर्ट दी, जिसकी पुलिस जांच कर रही हैं ।

इनका ये कहना

मेरी ड्यूटी कुछ दिनों से जिला मुख्यालय पर गणतंत्र दिवस समारोह में झांकी बनाने में लगी हुई है, मुझे इस मामले की पूरी जानकारी नहीं है ।।

सुनील डीडवानिया प्रधानाध्यापक

ग्रामीणों ने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की तस्वीर मंच पर लगाने की बात कही थी, लेकिन दीवारों में सीलन आने से अंबेडकर सहित अन्य कई तस्वीर भी सीलन से खराब हो गई, इस कारण तस्वीर नहीं लगाई गई ।।

लक्ष्मी चौहान कार्यवाहक प्रधानाध्यापिका

जहाजपुर में 77 लाख की ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट शुरू, मुफ्त जांचों की बढ़ी सुविधा

स्मार्ट हलचल

जहाजपुर। भारत सरकार के 15वें वित्त आयोग के तहत स्वीकृत ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट का उद्घाटन आज उपजिला चिकित्सालय जहाजपुर परिसर में विधायक गोपीचंद मीणा द्वारा किया गया। लगभग 77 लाख रुपये की लागत से निर्मित इस यूनिट के शुरू होने से क्षेत्रवासियों को अस्पताल के अतिरिक्त कई निशुल्क चिकित्सीय जांचों का लाभ मिल सकेगा। नई ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट के माध्यम से विभिन्न स्वास्थ्य गतिविधियों एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों का संचालन अब और अधिक सुगमता से किया जा सकेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पालिका चेयरमैन नरेश मीणा ने की।

उद्घाटन समारोह में निवर्तमान प्रधान कौशल किशोर शर्मा, नगर पालिका के पार्षदों सहित नगर के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर विधायक गोपीचंद मीणा ने कहा कि राज्य सरकार आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि इस यूनिट के प्रारंभ होने से अब लोगों को कई प्रकार की चिकित्सीय जांचों के लिए जहाजपुर से बाहर नहीं जाना पड़ेगा। इसके लिए उन्होंने केंद्र एवं राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम के अंत में उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रवीण जारवाल, प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. नईम अख्तर तथा ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. भागीरथ मीणा ने सभी अतिथियों एवं आगंतुकों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

रोपा में 77वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास से मनाया

स्मार्ट हलचल | रोपा

77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, रोपा में समारोह हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ग्राम पंचायत रोपा के प्रशासक सत्यनारायण धाकड़ एवं संस्था प्रधान रामेश्वर लाल तेली ने सरस्वती माता के समक्ष दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया।

इस अवसर पर नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों द्वारा व्यायाम प्रदर्शन किया गया, वहीं छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। कार्यक्रमों के उपलक्ष्य में ग्राम पंचायत प्रशासक सत्यनारायण धाकड़ द्वारा कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी छात्र-छात्राओं को भोजन हेतु टिफिन वितरित किए गए। साथ ही अनेक ग्रामीण भामाशाहों ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए पुरस्कार प्रदान किए।

कार्यक्रम के दौरान स्थानीय विद्यालय के तीन विद्यार्थियों–हरिराम धाकड़ (रग्बी बॉल), तनीषा कुम्हार (तीरंदाजी) एवं मनीष कुमार (तीरंदाजी)–को राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता में भाग लेने के उपलक्ष्य में 26 जनवरी को उपखंड कार्यालय द्वारा सम्मानित किया गया। विद्यालय परिवार की ओर से इन विद्यार्थियों को विद्यालय का नाम रोशन करने पर बधाई दी गई।

इसी अवसर पर विद्यालय की पूर्व छात्रा कोमल धाकड़ को कक्षा 12वीं में 97.4 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर पद्माक्षी पुरस्कार हेतु चयनित होने पर सम्मानित किया गया। ग्रामीण राधेश्याम शर्मा, नंदलाल धाकड़, रतन धाकड़, भंवर धाकड़, विनोद धाकड़, धनराज धाकड़, मनोज शर्मा, विनोद शर्मा हिंदू लाल गाडरी, किशन शर्मा, आशीष जैन, दुर्गा लाल गाडरी, सहित ग्रामीण मौजूद थे।

सोशल मीडिया के दुरुपयोग को लेकर करेडा पुलिस की जागरूकता मुहिम

स्मार्ट हलचल

करेड़ा। सोशल मीडिया के बढ़ते दुरुपयोग और साइबर अपराधों से बचाव को लेकर करेडा थाना क्षेत्र में पुलिस द्वारा जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में करेडा थाने के कांस्टेबल राकेश कुमार मीणा ने गांव,ढाणि एवं विद्यालयों में जाकर ग्रामीणों तथा स्कूली बच्चों को सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग को लेकर जागरूक किया। कांस्टेबल राकेश कुमार मीणा ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय शिवपुर में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि सोशल मीडिया पर किसी भी अनजान व्यक्ति से बातचीत नहीं करें, अपने मोबाइल में निजी फोटो न लें और न ही किसी को भेजें। उन्होंने बच्चों को अनजान नंबरों से आने वाले संदेशों को न खोलने तथा व्हाट्सएप पर प्राप्त लिंक एवं फाइल को क्लिक नहीं करने की सख्त सलाह दी। मीणा ने बताया कि साइबर ठग सोशल मीडिया और मोबाइल ऐप्स के माध्यम से लोगों को ठगने के नए-नए तरीके अपना रहे हैं, इसलिए सतर्कता ही सबसे बड़ा बचाव है। उन्होंने बच्चों को सोशल मीडिया के दुरुपयोग से होने वाले मानसिक, सामाजिक और कानूनी दुष्परिणामों की भी जानकारी दी। जागरूकता कार्यक्रम के बाद विद्यार्थियों ने पुलिस जवान के साथ सेल्फी ली तथा स्वयं को सोशल मीडिया के दुरुपयोग से दूर रखने की शपथ ली। इस पहल की विद्यालय स्टाफ एवं ग्रामीणों ने सराहना करते हुए इसे समय की आवश्यकता बताया।

15 निजी विद्यालय को कारण बताओ नोटिस, गणतंत्र समारोह मे नहीं लिया था भाग

स्मार्ट हलचल

बिजौलियाँ। राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बिजौलियाँ के खेल मैदान पर आयोजित हुए उपखंड स्तरीय कार्यक्रम में बिजोलिया के निजी विद्यालयों द्वारा भाग नहीं लेने को लेकर आज प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी द्वारा 15 निजी विद्यालयों को नोटिस जारी कर 2 दिन में उपस्थित होकर लिखित रूप से जवाब मांगा गया।

वही एक निजी शिक्षण संस्था का कहना है कि कार्यक्रम स्थल पर ना तो विद्यार्थियों के लिए समुचित बैठक व्यवस्था होती है बच्चे लगातार 3 घंटे तक एक ही जगह पर बैठे रहने के बावजूद भी उन्हें यथा स्थिति पर मिठाई तक नहीं दी जाती है।

गौरतलब है की- नगर पालिका द्वारा सभी शिक्षण संस्थानों को एक दिन पूर्व ही मिठाई वितरित कर दी जाती है।

पत्रकारिता क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर मेघवंशी सम्मानित

स्मार्ट हलचल | मांडल

भीलवाड़ा जिले के करजालिया (मोड का निंबाहेड़ा) निवासी सुरेश चंद्र मेघवंशी को मांडल क्षेत्र में पत्रकारिता क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर गणतंत्र दिवस समारोह पर स्टेडियम में आयोजित हुए समारोह में मांडल उपखंड अधिकारी संजना जोशी, पुलिस उपाधीक्षक ,तहसीलदार सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा सुरेश चंद्र मेघवंशी को मोमेंट प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया । सुरेश चंद्र मेघवंशी वर्तमान में आसींद क्षेत्र के प्रेस क्लब के सचिव होने के साथ ही प्रिंट मीडिया मोड़ का निंबाहेड़ा के सबसे सक्रिय रिपोर्टर हैं और पत्र पत्रिकाओं के साथी ही कहीं टीवी चैनल में भी कार्यरत है । करीब 10 वर्षों से आसींद क्षेत्र के अलावा मांडल विधानसभा क्षेत्र में भी पत्रकारिता की जिम्मेदारी बखूबी निभा रहे हैं । 2014 से मांडल क्षेत्र में पत्रकारिता करते हुए सुरेश चंद्र मेघवंशी कई इलेक्ट्रॉनिक मीडिया व बड़े संस्थानों में अपनी सेवाएं दे चुके मेघवंशी वर्तमान समय में राजस्थान के सबसे तेज बढ़ते न्यूज़ चैनल में कार्यरत हैं । पत्रकारिता के अलावा मांडल में नवगठित प्रेस क्लब में सचिव के पद पर कार्यरत हैं । मेघवंशी अपनी पॉलिटिक्स एवं अपराधीक खबरों में विशेष कवरेज के लिए जाने जाते हैं, मेघवंशी के सम्मानित होने पर मांडल क्षेत्र के पत्रकार एवं जनप्रतिनिधि सहित प्रशासनिक अधिकारियों ने शुभकामनाएं प्रेषित की।

निष्पक्ष पत्रकारिता के लिए मनोज शर्मा को किया सम्मानित

स्मार्ट हलचल | गुलाबपुरा

गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित उपखंड स्तरीय समारोह में पत्रकारिता क्षेत्र में सराहनीय कार्य के लिए पत्रकार मनोज कुमार शर्मा को दिव्यराज सिंह चुण्डावत उपखण्ड अधिकारी एवं उप जिला मजिस्ट्रेट (प्रशासन) द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। प्रशासन की ओर से उनके द्वारा किए जा रहे निरंतर, जनहितकारी पत्रकारिता कार्यों की प्रशंसा की गई। गौरतलब है कि शर्मा दैनिक शुभ लहर तरंग समाचार पत्र के संपादक तथा एसएलटी 24 न्यूज़ चैनल में चैनल हैड की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। उपखंड प्रशासन द्वारा दिया गया यह सम्मान सकारात्मक व जिम्मेदार पत्रकारिता को प्रोत्साहित करने वाला माना जा रहा है। शर्मा को पत्रकारिता के क्षेत्र में सम्मानित किए जाने पर राजस्थान श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रदेश अध्यक्ष हरीश गुप्ता, जयपुर एवं बीकानेर से प्रकाशित आयुष अंतिमा (हिन्दी समाचार पत्र) के संपादक डॉ.श्रीराम इंदौरिया, झुंझुनू के वरिष्ठ पत्रकार एवं सामाजिक चिंतक डॉ. राजेंद्र शर्मा झेरलीवाला, अखिल भारतीय ब्राह्मण परिषद (रजि) के राष्ट्रीय अध्यक्ष केशव शर्मा और रीजनल प्रेस क्लब के संरक्षक, अध्यक्ष, पदाधिकारी, सदस्यों व अन्य पत्रकार साथियों, मित्रों, परिवारजनों ने पत्रकार मनोज शर्मा को शुभकामनाएं व बधाई प्रेषित की।

माँ दधिमथी का प्राकट्य महोत्सव श्रद्धा, आस्था और हर्षोल्लास के साथ मनाया

स्मार्ट हलचल | वशिष्ठ शर्मा

भीलवाड़ा। दाधीच समाज द्वारा कुलदेवी माँ दधिमथी का प्राकट्य महोत्सव श्रद्धा, आस्था और हर्षोल्लास के साथ भव्य रूप से मनाया गया। इस अवसर पर धार्मिक व सामाजिक कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की गई, जिसमें समाज के लोगों ने बड़ी संख्या में सहभागिता निभाई। महोत्सव का शुभारंभ प्रातः ब्रह्ममुहूर्त में माँ दधिमथी के दुग्धाभिषेक से हुआ। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ माता का अभिषेक कर विश्व शांति की कामना की गई। इसके पश्चात विधि-विधान से हवन आयोजित हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं ने आहुतियां दीं। न्यास अध्यक्ष हरिप्रकाश कंठ एवं मंदिर कमेटी अध्यक्ष हीरालाल ओझा ने उपस्थित भक्तजनों का स्वागत व आभार व्यक्त किया। आमसभा में समाज की एकजुटता एवं विकास पर चर्चा की गई। मीडिया प्रभारी दीपक शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला दाधीच मंडल अध्यक्ष राजमल जोशी रहे। उन्होंने समाज की एकता और युवाओं को संस्कारों से जोड़ने पर बल दिया। इस अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह में समाज के वरिष्ठजनों को सम्मानित किया गया। सम्मानित वरिष्ठजन इस प्रकार रहे, मोहनलाल शर्मा, घनश्याम शर्मा, हरिश कुदाल, ओमप्रकाश ओझा, ओमप्रकाश शर्मा, प्रकाशचन्द्र शर्मा, रामगोपाल शर्मा, श्रीनिवास आचार्य, जमनालाला तिवाड़ी, रतन देवी शर्मा, पार्वती देवी, नन्दू देवी, कमला देवी त्रिपाठी, अनीप देवी व्यास, सुन्दर देवी शर्मा, सुशीला देवी दाधीच, दुर्गा प्रसाद शर्मा, ओमप्रकाश कंठ, निरंजन राजस्थान, विजयशंकर व्यास व शांता देवी व्यास, घनश्याम दाधीच व पत्नी, ओमप्रकाश शर्मा व विमला देवी शर्मा, चांदमल शर्मा व अयोध्या देवी शर्मा, जमनालाला जोशी व अयोध्या देवी जोशी। साथ ही समाज की प्रतिभाओं राजेंद्र व्यास, पत्रकार राजीव दाधीच एवं भजन गायिका दीपा दाधीच को दाधीच गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर अश्विनी जोशी ने किया । दोपहर 12 बजे माँ दधिमथी को छप्पन भोग का भव्य अन्नकूट अर्पित किया गया। इसके पश्चात महाआरती आयोजित हुई, जिसमें पांडाल माता के जयकारों से गूंज उठा। अंत में प्रसाद वितरण किया गया।

इस अवसर पर भेरुलाल कलाश्री, ओमप्रकाश कंठ, जमनालाल जोशी,कैलाश व्यास, लाजपत आचार्य,घनश्याम शर्मा, अशोक जोशी, योगेश दाधीच, ओम जोशी ,जगदीश जी भगवानपुरा, लोकेश आसोपा, राजेंद्र जोशी, राजेश तिवारी, कुश आचार्य, नीरज तिवारी, दीपक तिवाड़ी, राजीव दाधीच, गणपत शर्मा, रमेश चंद्र शर्मा, राहुल शर्मा, कुलदीप शर्मा, गोपी किशन पाटोदिया, मनीष आसोपा, जुगल दाधीच, रेखा कुदाल, संजय त्रिपाठी, संजय व्यास, अमित व्यास, लोकेश भट्ट, रवि त्रिपाठी, सत्यनारायण, दिनेश, वीरेंद्र, दिलीप, राहुल, जया व्यास, चंद्रकलाभट्ट, सावित्री शर्मा,मनोज दाधीच, रामपाल शर्मा आदि उपस्थित रहे।

77वें गणतंत्र दिवस पर जिला एवं सेशन न्यायालय, भीलवाड़ा में आयोजन

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

जिला एवं सेशन न्यायालय परिसर, भीलवाड़ा में 77वें गणतंत्र दिवस का आयोजन अत्यंत गरिमामय एवं ऐतिहासिक रूप से संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण न्यायाधीश नवीन चौधरी एवं जिला अभिभाषक संस्था के अध्यक्ष उम्मेद सिंह राठौड़ ने संयुक्त रूप से ध्वजारोहण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उम्मेद सिंह राठौड़ ने की।

इस अवसर पर महिला उत्पीड़न न्यायाधीश श्रीमती सुषमा शर्मा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नगेंद्र सिंह, अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सुभाष चंद्र कोटिया तथा विशेष न्यायाधीश नरवाल की गरिमामय उपस्थिति रही। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ ध्वजारोहण के साथ हुआ।

अपने संबोधन में अध्यक्ष उम्मेद सिंह राठौड़ ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण हेतु अधिवक्ताओं को राष्ट्रहित में निरंतर कार्य करना होगा तथा संविधान के अनुरूप न्यायालयों में सहज, सुलभ एवं त्वरित न्याय की व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन अशोक जैन एडवोकेट द्वारा किया गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में माहेश्वरी पब्लिक स्कूल की छात्राओं ने देशभक्ति से ओतप्रोत स्तुति प्रस्तुत की। संस्था सदस्य धर्मवीर सिंह कानावत ने कविता पाठ किया। अरविंद शर्मा, गजेंद्र सिंह कानावत, सूर्य प्रकाश सरगरा, राजन कुमार दहियावत उर्फ राजन, देश कुमार मलावत, ममता लक्षकार, भावना एवं अशोक जैन ने कविता पाठ के माध्यम से राष्ट्रीय चेतना का संदेश दिया। माउथ ऑर्गन पर संस्थान के बनवारी लाल व्यास के सुपुत्र केशव व्यास ने देशभक्ति तरानों की प्रस्तुति देकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर सामूहिक वंदे मातरम् गायन श्रीमती यशोदा मडोवरा द्वारा कराया गया।

वरिष्ठ अधिवक्ताओं में हेमेंद्र शर्मा (पूर्व बार अध्यक्ष), राजेंद्र कचोलिया, राजेश शर्मा, एवं वरिष्ठ अधिवक्ता भगवती लाल मुंदड़ा, सुरेश चेचानी, मोहन सिंह मेहता, भेरूलाल बाफना, जय कुमार जैन, श्याम सिंह चुंडावत, वंदना चोखड़ा, कीर्ति सोलंकी, पूर्व महासचिव पंकज पंचोली, पूर्व अध्यक्ष दुर्गेश शर्मा, पूर्व महासचिव राघवेंद्र नाथ व्यास, राकेश जैन, पूर्व उपाध्यक्ष संजय सेन, वरिष्ठ अधिवक्ता जयकृत सिंह राठौड़ एवं गणपत सिंह राणावत ने अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम में अधिवक्ता सेवा के 50 वर्ष पूर्ण करने पर वरिष्ठ अधिवक्ताओं भगवती लाल मुंदड़ा, रामेश्वर लाल विजयवर्गीय, चंद्र प्रकाश नाहर, रामस्वरूप असावा, सुरेश चेचानी, रणवीर सिंह राणावत, जयकुमार जैन, भेरूलाल बाफना, चंद्र प्रकाश तिवारी, कृष्ण गोपाल सोलंकी, मोहन सिंह मेहता, रामचंद्र चौधरी एवं सुरेश चंद्र अग्रवाल का जिला अभिभाषक संस्था एवं मुख्य अतिथि द्वारा साफा, उपरणा एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष उम्मेद सिंह राठौड़ ने अपने गुरु गणपत सिंह राठौड़ का सम्मान किया गया, जो गुरु-शिष्य परंपरा का प्रेरक उदाहरण रहा।

संस्थान के कर्मचारियों रवि नकवाल, भारत नाकवाल, श्रवण एवं महावीर उपाध्याय तथा न्यायिक कर्मचारियों हरि प्रकाश शर्मा, विजय भरत उपाध्याय, सतीश वैष्णव, चांदमल सेन एवं संदीप गौड़ का भी सम्मान किया गया। अधिवक्ता पीरू सिंह गौड़, जिन्होंने 80 बार रक्तदान किया है एवं जिन्हें राजस्थान के उपमुख्यमंत्री द्वारा भी सम्मानित किया जा चुका है, उन्हें भी बार द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु अशोक जैन एडवोकेट का भी सम्मान किया गया।

इस अवसर पर जिला अभिभाषक संस्था के अध्यक्ष उम्मेद सिंह राठौड़, उपाध्यक्ष महिपाल सिंह राणावत, महासचिव पंकज दाधीच, राजस्व महासचिव मनोहर लाल भाभी, कोषाध्यक्ष रवि गोरानी, सह सचिव आदित्य सिंह चौहान एवं पुस्तकालय सचिव प्रताप तेली की सक्रिय उपस्थिति रही।

मुख्य अतिथि नवीन चौधरी ने अपने उद्बोधन में संविधान की रक्षा, त्वरित न्याय एवं न्याय व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण का संकल्प दोहराया। महिला उत्पीड़न न्यायाधीश सुषमा शर्मा ने लोक अदालत की भावना से प्रेरित त्वरित न्याय पर बल दिया। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नगेंद्र सिंह ने बार-बेंच के सकारात्मक संबंधों को बनाए रखने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में अधिवक्ता एवं सदस्यगण के. जी. शर्मा, श्याम सिंह चुंडावत, श्रीमती पुष्पा ओर्डिया, अनीश मोहम्मद, अटल बिहारी वैष्णव, उदय लाल बोराणा, रामपाल शर्मा, नीरज पाराशर, अदिति सेठिया, सुनील, पूजा शर्मा, शिप्रा, रेशमा, रिंकू तंवर, संगीता, अंतिमा, निक्की बाला, राजेश सांमरिया, नागेंद्र सिंह, ओमप्रकाश तेली, भेरूलाल बेरवा, राजू डीडवाना, बनवारी लाल व्यास, राजकुमार सोनी, नवनीत कुमावत, कुणाल ओझा, मूलचंद, अनिल पारिक, विजय जीनगर, नंदलाल गाडरी, दीपक सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। न्यायिक कर्मचारी नारायण सिंह भल्ला, नाजिर मुकेश शर्मा एवं मिलिंद भटनागर ने कार्यक्रम में विशेष सहयोग दिया।

कार्यक्रम के अंत में महासचिव पंकज दाधीच ने सभी अतिथियों, अधिवक्ताओं, कर्मचारियों एवं सहभागियों का आभार व धन्यवाद व्यक्त किया।

नन्हे हाथों को मिला शिक्षा का संबल

एबीवीपी ने घुमंतू बच्चों के चेहरों पर बिखेरी मुस्कान

स्मार्ट हलचल

आसींद। 'जब नन्हे हाथों में किताबें आती हैं, तब सपनों को नई उड़ान मिलती है।' इसी प्रेरक विचार को धरातल पर उतारते हुए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद आसींद द्वारा एक सराहनीय सेवा पहल की गई है। घुमंतू बस्ती में शिक्षा की अलख बुधवार को एबीवीपी नगर अध्यक्ष प्रभुलाल गुर्जर एवं नगर सहमंत्री धनराज उर्फ दीपक कुमार सोनी के निर्देशन में कार्यकर्ताओं ने कस्बे के दुलेहसागर की पाल पर निवास कर रहे घुमंतू परिवारों के बीच समय बिताया। परिषद की इस सेवा गतिविधि के तहत वहां रहने वाले जरूरतमंद बच्चों को शैक्षणिक सामग्री वितरित की गई। नगर सहमंत्री सोनी ने बताया कि इस अभियान के माध्यम से बच्चों को स्टेशनरी किट प्रदान की गई, जिसमें कॉपी, पेंसिल, रबर, शार्पनर और स्केल जैसी आवश्यक वस्तुएं शामिल थीं। उन्होंने कहा कि यह छोटा सा प्रयास बच्चों के सपनों को पंख देने और उनके भविष्य को उज्ज्वल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस सेवा कार्य के दौरान परिषद के आयुष शर्मा, दुर्गेश राजपूत, अर्जुन मराठा, पूरण गोस्वामी, मुकेश पुरी, रवि जी लोहार व देवकीनंदन और दिव्यांशु सेन सहित कई अन्य सदस्य शामिल थे।

वाइब्स फन एंड एक्टिविटी क्लब द्वारा खेलकूद प्रतियोगिताओं आयोजित, राष्ट्रगान और टीमों के पथ संचलन से हुआ शुभारंभ

क्रिकेट प्रतियोगिता में वाइब्स थंडर स्ट्राइक प्रथम और सितोलिया में वाइब्स फायर एंजेल्स प्रथम स्थान प्राप्त किया

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। वाइब्स फन एंड एक्टिविटी क्लब द्वारा खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। क्लब के चेयरपर्सन डॉ.अर्चना अग्रवाल और प्रेसिडेंट ज्योति आर्य ने बताया कि इस इवेंट का उद्देश्य खेलकूद के माध्यम से महिलाओं के शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नीता बाबेल प्रदीप लाठी व ज्योति लाठी थे। क्लब के कल्चरल डायरेक्टर रीना डाड, स्पोर्ट्स डायरेक्टर मनीषा मेहता ने खेलकूद के महत्व को समझाया उनके मार्गदर्शन में सारी प्रतियोगिताएं बहुत ही शानदार ढंग से हुई कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगान और सभी टीमों की पथ संचलन से हुई। स्पोर्ट्स इवेंट को होस्ट मनीषा मेहता के साथ प्रीति सिंघावत, सुमता जैन, सपना तातेड ने किया। क्रिकेट प्रतियोगिताओं में चार टीम वाइब्स थंडर स्ट्राइक, वाइब्स पिंक पैंथर, वाइब्स सुपरवुमन, वाइब्स फायर एंजिल्स ने भाग लिया। क्रिकेट प्रतियोगिता में वाइब्स थंडर स्ट्राइक ने प्रथम स्थान प्राप्त किया और सितोलिया में वाइब्स फायर एंजेल्स ने प्रथम स्थान प्राप्त किया प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों का उत्साह चरम पर था। चारों टीम्स के कप्तान निधि हेड़ा, खुशबू राठी, भारती काबरा और सुमता जैन ने अपनी शानदार कप्तानी में खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इवेंट में विभिन्न प्रतियोगिताओं में दीपांजलि गुप्ता, रुचि अग्रवाल, दिव्या बोरदिया, मेघा, नेहा, वनिता, पूजा, चेतना जाजू, पूनम, सीमा, शालू, शिल्पी, हिमांशी शालिनी, शीतल, अंकिता, पायल, शोभिका ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

राष्ट्रीय मानव अधिकार परिषद सेवा कार्यों के लिए सम्मानित

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

राजमाता विजयराजे सिंधिया मेडिकल कॉलेज एवं महात्मा गांधी चिकित्सालय, भीलवाड़ा द्वारा राष्ट्रीय मानव अधिकार परिषद को चिकित्सालय सेवा क्षेत्र में किए जा रहे उल्लेखनीय एवं निरंतर सेवा कार्यों के लिए सम्मानित किया गया।

चिकित्सालय परिसर में आयोजित गरिमामय समारोह में परिषद द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सहायता पहुँचाने के प्रयासों की सराहना करते हुए यह सम्मान प्रदान किया गया। इस अवसर पर परिषद के पदाधिकारियों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

परिषद के जिलाध्यक्ष मनीष बंब ने अपने उद्बोधन में कहा कि राष्ट्रीय मानव अधिकार परिषद सेवा, संवेदना और समर्पण के भाव के साथ निरंतर समाज सेवा में जुटी हुई है। परिषद का उद्देश्य मानव अधिकारों की रक्षा के साथ-साथ जरूरतमंदों तक स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाकर एक सशक्त एवं संवेदनशील समाज का निर्माण करना है।

परिषद के प्रतिनिधियों ने इस सम्मान को संगठन से जुड़े समस्त कार्यकर्ताओं, स्वयंसेवकों एवं सहयोगियों को समर्पित करते हुए कहा कि यह सम्मान उन्हें भविष्य में और अधिक ऊर्जा व समर्पण के साथ सेवा कार्य करने की प्रेरणा प्रदान करेगा।

समारोह में परिषद के संरक्षक हेमंत कोठारी, जिला मार्गदर्शक सीए महावीर गांधी, संयोजक लक्की ब्यावट, जिला महामंत्री ललित लोढ़ा, सचिव अभिषेक पोखरना, अर्पित नंदावत, शहर अध्यक्ष अंकित सोमानी, महिला विंग जिलाध्यक्ष नेहा चोरड़िया, महामंत्री कुसुम श्रीश्रीमाल, अलका बंब, मधु लोढ़ा, सुनीता गांधी, रजनी बापना, उपाध्यक्ष ललित बोहरा, संगठन मंत्री कमल वैशनानी, समाजसेवी ललित आंचलिया, सुनील बालर, नवरतन बाफना, ज्ञानचंद पगारिया, प्राचीर समदानी, सीए नवजोत सिंह, अनुराग बाबेल, नवनीत अजमेरा, अभिषेक खजांची,राजेश बाफना सहित कई पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने देश की एकता, अखंडता एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के संरक्षण का संकल्प लिया।

मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव के दो दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट का आगाज

भीलवाड़ा और चित्तौड़गढ़ जिले की 6 टीमें कर रही जोर आजमाइश, खिलाड़ियों में दिखा उत्साह

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। राजस्थान मेडिकल एंड सेल्स रिप्रेजेंटेटिव यूनियन भीलवाड़ा यूनिट के तत्वावधान में चौथे वार्षिक क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ सुखाड़िया स्टेडियम में हुआ। इस खेल उत्सव का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ. राजेंद्र छिपा द्वारा किया गया। यूनियन के कोषाध्यक्ष कपिल वर्मा ने बताया कि भीलवाड़ा व चित्तौड़ के मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव के क्रिकेट टूर्नामेन्ट में भीलवाड़ा और चित्तौड़गढ़ जिले की कुल 6 टीमें खिताबी मुकाबले के लिए जोर आजमाइश कर रही हैं। वर्मा ने बताया कि इस दो दिवसीय आयोजन का उद्देश्य साथियों के बीच खेल भावना और आपसी समन्वय को बढ़ाना है। टूर्नामेंट के सफल संचालन में क्रिकेट वर्किंग कमेटी के सदस्य राजेंद्र पांडे, रुपेश साहू, रितेश गुप्ता, सोहन नेगी, अंकुर माहेश्वरी, भारत सेन और गिरिराज मेघवाल का विशेष सहयोग रहा। इन कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत से पहले दिन के मुकाबले सफलतापूर्वक संपन्न हुए। उद्घाटन के बाद खेले गए मैचों में मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव्स ने मैदान पर अपने खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में यूनियन के सदस्यों ने उपस्थित होकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

जहाजपुर को मिली नई सौगात, नमो उद्यान व ओपन जिम का हुआ उद्घाटन

स्मार्ट हलचल

जहाजपुर। भंवर कला तालाब की पाल पर निर्मित नमो उद्यान, ओपन जिम एवं 100 फीट ऊंचे तिरंगे का लोकार्पण विधायक एवं भाजपा एसटी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष गोपीचंद मीणा ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं नगरवासी मौजूद रहे।

पालिका क्षेत्रवासियों के लिए सुरक्षित भ्रमण एवं मनोरंजन स्थल की लंबे समय से चली आ रही मांग अब नमो उद्यान के रूप में पूरी होती नजर आई। उद्यान में आकर्षक 'आई लव जहाजपुर' सेल्फी प्वाइंट तैयार किया गया है, जो लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। सुरक्षा के मद्देनज़र उद्यान में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, वहीं मनोरंजन के लिए साउंड सिस्टम भी शीघ्र लगाया जाएगा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पालिका चेयरमैन नरेश मीणा ने नगर पालिका द्वारा कराए गए विकास कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नगर में नमो उद्यान, ओपन जिम, 100 फीट तिरंगा, 18 सामुदायिक भवन, एक पुलिया, किला एवं भक्तों की झोपड़ियां, राधिका बड़ा, लक्ष्मीपुरा विद्युतीकरण जैसे महत्वपूर्ण कार्य पूरे किए गए हैं।

इसके साथ ही पालिका क्षेत्र के 12 अलग-अलग स्थानों पर श्मशान घाटों में टीन शेड व चबूतरा निर्माण, सभी 25 वार्डों में पनघट योजना के तहत हेडपंप स्थापना, तालाबों से जलकुंभी हटाने, तथा स्वच्छता अभियान को मजबूती देने के लिए नए कचरा ट्रिपर खरीदे जाने की जानकारी दी गई।

चेयरमैन ने बताया कि भीलवाड़ा जिले में जहाजपुर नगर पालिका ने स्वच्छता में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। आमजन की सुविधा के लिए मोक्ष रथ खरीदा गया है तथा सड़क हादसों में घायल पशुओं के उपचार हेतु शीघ्र पशु एंबुलेंस भी खरीदी जाएगी।

उन्होंने कहा कि इस कार्यकाल में पालिका ने अपनी निजी आय से 15 करोड़ रुपए एकत्रित किए हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गरीबों को आवास उपलब्ध कराए गए, वहीं शहरी रोजगार गारंटी योजना के माध्यम से स्थानीय लोगों को रोजगार दिया गया। कुल मिलाकर पालिका क्षेत्र में करीब 40 करोड़ रुपए के विकास कार्य कराए गए हैं।

नरेगा में मजदूरों को रोजगार नही मिलने का गंभीर आरोप

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

अखिल भारतीय मजदूर कांग्रेस कमेटी एवं कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारियों ने मंगलवार को नगर पालिका अधिशाषी अधिकारी बनेड़ा को ज्ञापन सौंपकर इंदिरा गांधी शहरी योजना रोजगार गारंटी योजना (नरेगा) में मजदूरों को रोजगार नहीं मिलने का गंभीर आरोप लगाया। अखिल भारतीय मजदूर कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष इब्राहिम खान ने ज्ञापन में बताया गया कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा नरेगा के तहत 100 दिन का रोजगार देने का प्रावधान होने के बावजूद बनेड़ा नगर पालिका में लंबे समय से मजदूरों को काम नहीं दिया जा रहा है। इससे ग्रामीण मजदूरों के सामने रोज़गार का संकट खड़ा हो गया है और उन्हें पलायन के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि नरेगा योजना गरीब, मजदूर और किसानों के लिए जीवनरेखा है, लेकिन वर्तमान में प्रशासन की उदासीनता के कारण इसका लाभ पात्र लोगों तक नहीं पहुंच पा रहा है। कई मजदूरों ने काम के लिए आवेदन किए, फिर भी उन्हें रोजगार उपलब्ध नहीं कराया गया। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि यदि शीघ्र ही नरेगा के तहत कार्य प्रारंभ नहीं किए गए और मजदूरों को रोजगार नहीं मिला तो कांग्रेस पार्टी आंदोलन करने के लिए मजबूर होगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

इस दौरान पूर्व ब्लाक अध्यक्ष गोपाल लाल बांगड़, पंचायत राज ब्लॉक अध्यक्ष मनोज जाट, राजेश शर्मा, इकबाल शाह सभी ने एक स्वर में नरेगा कार्य शीघ्र शुरू कराने और मजदूरों को रोजगार उपलब्ध कराने की मांग की।

आपसी विवाद को लेकर दो गुटों में जमकर मारपीट और फायरिंग

स्मार्ट हलचल | बानसूर

हरसौरा थाना क्षेत्र के माजरा अहीर गांव में सोमवार देर शाम आपसी विवाद को लेकर दो गुटों में जमकर मारपीट हो गई। बोलेरो और बाइक पर सवार बदमाशों के बीच पहले कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गई। विवाद के दौरान बाइक सवार एक युवक ने फायरिंग कर दी, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बस स्टैंड के पास दोनों गुट आमने-सामने आ गए थे। मारपीट के बीच अचानक फायरिंग की आवाज सुनकर ग्रामीण डर के मारे इधर-उधर भागने लगे। फायरिंग के बाद बाइक सवार बदमाश धमकी देते हुए मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही हरसौरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक दोनों गुटों के युवक फरार हो चुके थे।

पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया और आसपास के लोगों से पूछताछ की। थाना प्रभारी जनमेजा राम ने बताया कि मामले में अब तक सात लोगों को हिरासत में लिया गया है। दोनों पक्षों की पहचान कर ली गई है और घटना को लेकर जांच जारी है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

गोपालपुरा में पैंथर का हमला, गोवंश घायल, ग्रामीणों में दहशत

स्मार्ट हलचल | बिजोलिया

उपखण्ड क्षेत्र के गोपालपुरा गांव में सोमवार देर रात पैंथर के हमले से एक गोवंश घायल हो गया। घटना गांव निवासी प्रकाश राठौर के घर पर बंधे गाय के बछड़े के साथ हुई।

परिजन हेमा राठौर ने बताया कि सोमवार रात करीब 2 बजे पैंथर ने बछड़े पर हमला कर दिया। अचानक हुई घटना से घर में अफरा-तफरी मच गई। शोर-शराबा होने पर परिवार के लोग मौके पर पहुंचे, जिसके बाद पैंथर जंगल की ओर भाग गया।

ग्रामीणों के अनुसार गांव में पिछले कई दिनों से पैंथर का मूवमेंट देखा जा रहा है, जिससे लोगों में भय का माहौल है। घटना की सूचना वन विभाग को दे दी गई है। वन विभाग की ओर से जल्द ही पिंजरा लगाने का आश्वासन दिया गया है।

आबादी क्षेत्र में पैंथर की लगातार आवाजाही से ग्रामीणों में दहशत बनी हुई है और लोगों ने वन विभाग से जल्द ठोस कार्रवाई की मांग की है।

स्कूल की जर्जर हालत को लेकर भैंसाकुंडल ग्रामवासियों ने पुनः प्रशासन को किया आगाह, विद्यालय में न योग्य शिक्षक है न पर्याप्त कक्षा कक्ष

स्मार्ट हलचल | हमीरगढ़

हमीरगढ़ उपखण्ड के ग्राम भैंसाकुण्डल उच्च माध्यमिक विद्यालय की जर्जर स्थिति व स्टाफ की भारी कमी के कारण ग्राम भैंसाकुण्डल स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय वर्तमान में केवल नाम मात्र का विद्यालय बनकर रह गया है। विद्यालय में न तो पर्याप्त कक्षा कक्ष उपलब्ध हैं और न ही विषयानुसार योग्य शिक्षकों की नियुक्ति है। विद्यालय की पुरानी भवन संरचना पूरी तरह जर्जर एवं उपयोग के योग्य नहीं रही, जिससे विद्यार्थियों की सुरक्षा पर भी खतरा बना हुआ है। इस गंभीर स्थिति की सूचना लगभग एक वर्ष पूर्व शिक्षा विभाग को दी जा चुकी है, किंतु आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। वर्तमान हालात यह हैं कि कक्षा 2, 4, 6 व 7 के विद्यार्थियों को एक ही कक्षा में बैठाकर पढ़ाया जा रहा है, जिससे न तो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा संभव है और न ही शिक्षा के उद्देश्य की पूर्ति हो पा रही है। यह स्थिति शिक्षा के विकास के दावों पर प्रश्नचिह्न लगाती है। इसी कारण समस्त ग्रामवासियों ने विद्यालय का निरीक्षण किया और सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि इस गंभीर समस्या से सरकार एवं शिक्षा विभाग को पुनः अवगत कराया जाए । ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है की नए निर्माण करवाए, विद्यालय हेतु नया भवन/अतिरिक्त कक्षाओं का निर्माण कराया जाए। पर्याप्त संख्या में शिक्षक शीघ्र नियुक्त किए जाएँ। विद्यार्थियों की शिक्षा एवं सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। यदि शीघ्र ही समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो समस्त ग्रामवासी मजबूरन विद्यालय को पूर्ण रूप से बंद करने का निर्णय लेने के लिए बाध्य होंगे, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी संबंधित विभाग की होगी।

लढ़ा माहेश्वरी महिला महासभा की तहसील अध्यक्ष मनोनीत

स्मार्ट हलचल | माण्डलगढ़

उपखण्ड मुख्यालय पर मंगलवार को माहेश्वरी समाज की तहसील महिला महासभा का आयोजन किया गया। महासभा के दौरान पूर्व तहसील अध्यक्ष अल्का लढ़ा,श्री मति आशा लढ़ा, सचिव सुधा भंडारी के सानिध्य में सभा आयोजित की गई।

सभा मे सर्व सहमति से तहसील अध्यक्ष पद पर श्री मति अल्का लढ़ा, सचिव पद पर सोनू असावा को मनोनीत किया गया। चुनाव प्रक्रिया के दौरान चुनाव प्रभारी श्रीमति इन्द्रिरा विनय झवर, पूर्व तहसील अध्यक्ष आशाजी लढ़ा,पूर्व तहसील सचिव सुधा भंडारी,नगर महिला सचिव गायत्री काबरा, तहसील कार्यकर्ता कृष्णा काबरा,सुमन झंवर,कृष्णा काबरा, राधा झंवर, राधे रानी तोतला नगर अध्यक्ष बीगोद,सचिव शान्ता देवी बिगोद, सदस्य मीना बांगड़ सहित तहसील क्षेत्र की अन्य महिलाएं आयोजन में मौजूद रही व संगठन को मजबूत बनाने व सामाजिक सरोकार से जुड़े रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

रात के अंधेरे में चल रहा राजनैतिक श्रय से मिलीभगत का खेल

स्लीपर प्लांट में धड़ल्ले से आ रही अवैध रेत ओर गीली लकड़ियां

स्मार्ट हलचल | ओम जैन

शंभूपुरा। कहने को तो पुलिस और माइनिंग विभाग जिले में कई जगह पर अवैध बजरी पर कार्यवाही कर रहा है लेकिन कही ना कही इस बात से इनकार नही किया जा सकता कि स्लीपर प्लांट अरनिया पंथ पर नेताओ की मेहरबानी के चलते यहाँ भारी मात्रा में बजरी स्टॉक होने एवं गीली लकड़ियां स्टॉक करने के बावजूद यहाँ अभी तक कोई कार्यवाही नही हो पाई है।

जानकारी के अनुसार शंभूपुरा थाना अंतर्गत हाइवे पर अरनिया पंथ स्थित स्लीपर प्लांट की पूर्व में भी भारी मात्रा में अवैध बजरी की शिकायतें सामने आई बावजूद इसके अधिकारियों ने कार्यवाही में कोई रुचि नही दिखाई, हाल ही में यहाँ भारी मात्रा में अवैध बजरी स्टॉक की जा रही है, जिसकी जानकारी के बावजूद इसकी कोई कार्यवाही नही होना सम्बंधित माइनिंग विभाग और अधिकारियों की कार्यशैली पर सवालिया निशान लगा रहा है।

छोटी मछलियों पर कार्यवाही मगरमच्छ को छोड़ रहे

जिले में कार्यवाहियों की बात करे तो 100-200 टन अवैध बजरी पर तो कार्यवाही हो रही से लेकिन बात करे स्लीपर प्लांट अरनिया पंथ की तो यहाँ भारी मात्रा में अवैध बजरी का स्टॉक रहता है लेकिन यहाँ राजनीतिक श्रय के चलते कोई कार्यवाही नही होती जिससे संचालक के हौंसले बढ़े हुए है।

पहले सिर्फ बजरी अब गीली लकड़ियां भी

पहले यहाँ सिर्फ अवैध बजरी का ही मामला सामने आया लेकिन कोई प्रभावी कार्यवाही नही होने से इनके हौंसले ओर अधिक बुलंद हो गए और अब गीली लकड़ियां भी धड़ल्ले से लाकर स्टॉक की जा रही है, जो अवैध होकर सीधा सीधा पर्यावरण को भी प्रभावित कर रहे है।

खबरे लगी तो दीवार ऊंची की, मोबाइल करवाये प्रतिबंधित

कुछ समय पहले भारी मात्रा में यहाँ बजरी स्टॉक को लेकर फ़ोटो वीडियो वायरल होने सहित खबरे लगने के बाद प्रबंधन सचेत हो गया, नेताओ से मिलीभगत कर कार्यवाही को दबा दिया गया लेकिन फिर से कोई बाहर से फ़ोटो ना ले ले इस डर से रातोरात सुरक्षा दीवार को ऊंची करवा दी एव अंदर आने वाले सभी कार्मिको के मोबाइल गेट पर ही उनसे लेकर जमा कर दिए जाने लगे है ताकि अंदर की कोई काली करतुते अपने मोबाइल में कैद ना करे और वो चार दिवारी से बाहर ना जा सके।

राजनितिक श्रय से बचाव, ओर अवैध खनन को बढ़ावा

यहाँ इस बात से इनकार नही किया जा सकता कि प्लांट को राजनीतिक श्रय मिला हुआ है जिसके कारण यहाँ कभी कोई कार्यवाही नही होने दी जाती है, जिससे दिन ब दिन अवैध खनन को बढ़ावा मिल रहा है, अंदर के सूत्रों से यह बात भी सामने आई कि नेताओ की मंथली बंदी ने ही सब कुछ सेटल कर रखा है।

अधिकारियों को जानकारी फिर क्या नही हो दही कार्यवाही

शिकायतकर्ता ने बताया कि हमारे द्वारा उपखण्ड अधिकारी को प्रूफ के साथ अवगत करवाने के बाद एसडीएम ने माइनिंग विभाग, तहसीलदार को कार्यवाही हेतु निर्देशित किया इसके अभी तक किसी प्रकार की कार्यवाही नही होना इनकी कार्यशैली पर सवालिया निशान लगा रहा है।

गणतंत्र दिवस पर सचिवालय कर्मचारी संघ का सम्मान समारोह

मेसर्स अम्बरवाला को उत्कृष्ट कैंटीन सेवाओं के लिए मिला सम्मान

स्मार्ट हलचल | जयपुर

भारत के 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर राजस्थान सचिवालय कर्मचारी संघ द्वारा सचिवालय परिसर में एक गरिमामय सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने की, जबकि मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवासन विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

समारोह के दौरान राजस्थान सचिवालय में कर्मचारियों एवं आगंतुकों को स्वच्छ, सुव्यवस्थित, गुणवत्तापूर्ण एवं उच्च मानकों वाली भोजन एवं कैंटीन सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए मेसर्स अम्बरवाला को विशेष स्मृति चिन्ह (मोमेंटो) प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान मेसर्स अम्बरवाला की ओर से श्री कैलाश पुरोहित ने ग्रहण किया।

राजस्थान सचिवालय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष श्री कजोड़मल मीणा ने अपने संबोधन में कहा कि सचिवालय कर्मचारियों की स्वास्थ्य सुरक्षा, सुविधा एवं कार्य-दक्षता के लिए गुणवत्तापूर्ण भोजन व्यवस्था आवश्यक है। उन्होंने मेसर्स अम्बरवाला, बीकानेर द्वारा निरंतर उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान किए जाने की सराहना की तथा समारोह में उपस्थित होकर कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाने हेतु माननीय मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव का आभार व्यक्त किया।

समारोह में संघ के पदाधिकारी, सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारी तथा बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में संघ की ओर से सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

हिंदुत्व का दंभ भरने वाली भाजपा सन्तो के अपमान पर चुप क्यों

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद मामले पर प्रधानमंत्री और गृहमंत्री की चुप्पी क्यों: जाडावत

स्मार्ट हलचल

शंभूपुरा। प्रयागराज में बीते दिनों मौनी अमावस्या के मौके पर स्नान को लेकर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद एवं बटुकों के साथ हुई धक्का-मुक्की और अभद्रता को लेकर पूर्व राज्यमंत्री सुरेंद्रसिंह जाड़ावत ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं गृहमंत्री अमित शाह की चुप्पी को लेकर सवाल उठाए है, उनके साथ गलत व्यवहार हुआ उनके शिष्यों, बटुकों के साथ मारपीट हुई।

उन्होंने कहा कि हिंदुत्व का दंभ भरने वाली इस पार्टी की जिस राज्य में सरकार है वहां पर पीठाधीश्वर शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के साथ हो रहे दुर्व्यवहार पर वह चुप क्यों है उनको नोटिस दिया जा रहा है कि वह शंकराचार्य नहीं है जबकि पूर्व में उनकी सरकार में उनका सम्मान किया जाता रहा है स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इनके चरणों में नतमस्तक होकर आशीर्वाद लेते रहे है। शंकराचार्य के अनुयायीयों एवं उनको मानने वाले लोग बड़ी संख्या

में वहां पहुंच रहे है एवं बड़ी संख्या में इनके समर्थन में लोग घटना का विरोध कर रहे है शंकराचार्य की मुख्य मांग थी कि विश्व में सबसे ज्यादा गोमांस का व्यापार भारत में हो रहा है वह गौ हत्या रोकने की मांग करते रहे है, चित्तौड़गढ़ में हिन्दू सम्मलेन निकालने वाले संगठन इस मामले को लेकर कही नजर नहीं आ रहे है क्या महज हिन्दू धर्म केवल चुनाव के समय ही याद आता है शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने धरना जारी रखा है, जिसमें वे माफी की मांग कर रहे हैं वहां की सरकार को इस घटना के लिए माफी मांगकर एवं सम्मान पूर्वक स्नान कराने की जिम्मेदारी निभानी चाहिए थी।

पाकिस्तान को 'बड़ा भाई' बताने वाले बयान पर भड़के छात्र संगठन

नारेबाजी करते हुए पुतला दहन किया, प्राचार्य के इस्तीफे की मांग

स्मार्ट हलचल

अजमेर। अजमेर संभाग के सबसे बड़े सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य मनोज कुमार बेहरवाल द्वारा दो दिन पूर्व पाकिस्तान को 'बड़ा भाई' बताए जाने के कथित बयान को लेकर मंगलवार को अजमेर में तीखा विरोध प्रदर्शन देखने को मिला। युवा कांग्रेस और एनएसयूआई से जुड़े कार्यकर्ताओं ने महाविद्यालय के मुख्य द्वार पर एकत्र होकर प्राचार्य के खिलाफ नारेबाजी की तथा उनके इस्तीफे की मांग की।

प्राचार्य का पुतला फांसी पर लटकाकर जलाया

प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने प्राचार्य का पुतला बनाकर उसे फांसी पर लटकाया और बाद में आग के हवाले कर दिया। इस मौके पर शहर कांग्रेस सचिव सागर मीणा ने कहा कि किसी शैक्षणिक संस्था के प्रमुख द्वारा इस प्रकार का बयान देश की भावनाओं को आहत करने वाला और राष्ट्रहित के विपरीत है। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे व्यक्ति को प्राचार्य पद पर बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।

कड़ी कार्रवाई की मांग

युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष मोहित मल्होत्रा ने कहा कि जिस प्राचार्य की विचारधारा पाकिस्तान को लेकर इस तरह की है, उसे तत्काल प्रभाव से पद से हटाया जाना चाहिए। उन्होंने सरकार से मामले की निष्पक्ष जांच कर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की। उनका कहना था कि इस तरह के बयान छात्रों में गलत संदेश फैलाते हैं और शैक्षणिक संस्थानों की गरिमा पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं।

पुलिस रही तैनात, स्थिति नियंत्रित

प्रदर्शन को देखते हुए महाविद्यालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्र में भारी पुलिस बल तैनात किया गया। सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए ताकि कोई अप्रिय घटना न हो। इस दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों ने मुख्य मार्ग पर बैठकर जाम लगाने का प्रयास किया, जिस पर पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी बहस भी हुई। पुलिस की समझाइश के बाद स्थिति को नियंत्रित किया गया और यातायात सुचारू कराया गया।

आंदोलन तेज करने की चेतावनी

प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि प्राचार्य के खिलाफ शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। वहीं प्रशासनिक स्तर पर पूरे घटनाक्रम पर नजर रखी जा रही है। फिलहाल इस मामले में शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन की आधिकारिक प्रतिक्रिया का इंतजार किया जा रहा है।

महिला कांग्रेस द्वारा मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान को लेकर पंचायत चौपाल का आयोजन किया

स्मार्ट हलचल

कोटा। मनरेगा गारंटी का नाम परिवर्तित कर गारंटी को योजना में बदलने के विरोध में एव भाजपा की सोची समझी साजिश के तहत मनरेगा को ख़त्म के ख़िलाफ़ महिला कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष निकिता हाड़ा के नेतृत्व में संगोद विधानसभा की ग्राम पंचायत छीपरदा एव ग्राम जखरौंड में चौपाल का आयोजन किया तथा ग्रामीणों से कांग्रेस सरकार द्वारा ग़रीब तबके को मनरेगा के रूप में दिए रोजगार को भाजपा सरकार द्वारा कैसे धीरे धीरे कर ख़त्म करने की साज़िश की जा रही है इस पर विस्तार से चर्चा की और महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष गायत्री मीणा ने बताया कि भाजपा सरकार गरीबों के साथ खिलवाड़ कर रही है जिसका कांग्रेस पार्टी पुरजोर विरोध करेगी। चोपाल में मंच संचालन ओम प्रकाश मेघवाल ने किया। इस अवसर पर हरिओम मीणा, दिनेश सामर, नेमीचंद मीना, रामावतार दधीच, लक्ष्मण सामर, रामप्रताप गोस्वामी, सोनू यादव, मांगीलाल मेघवाल, सत्यनारायण मीना, मनभर बाई, रिंकू यादव, कविता केवट, मंजू यादव, सुशीला, गीता सुमन, प्रेम बाई गुर्जर, शीला बाई गुर्जर आदि उपस्थित रहे।

सर्दी से स्वतंत्रता सेनानी और बुजुर्ग समेत कानपुर देहात में अब तक 34 की मौत

स्मार्ट हलचल

कानपुर। लगातार जारी प्रचंड सर्दी का प्रकोप स्वांस के मरीजों, किसानों, बच्चों और बुजुर्गों के लिए जान घातक साबित हो रहा है ,भीषण सर्दी के इस क्रम में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और एक बुजुर्ग की भी मौत हो गई। कुल मिलाकर सर्दी से कानपुर देहात में अब तक 34 लोगों की मौत हो चुकी है। पुलिस ने बताया कि स्वतंत्रता सेनानी का शव पोस्टमार्टम के लिए भी भेजा गया है।

घटना के बारे में प्राप्त जानकारी के मुताबिक सीने में अचानक तेज दर्द से शिवली कोतवाली क्षेत्र के लालपुर शिवराजपुर में रहने वाले सेनानी पुत्र के अलावा रसूलाबाद थाना क्षेत्र के उसरी गंव में रहने वाले एक बजुर्ग ने दम तोड़ दिया। मौत की इन दोनों घटनाओं को मिलाकर

कानपुर देहात जिले में सर्दी लगने व सीने में दर्द से मरने वालों की संख्या बढ़कर 34 हो गई है।

पुलिस ने बताया कि रसूलाबाद थाना क्षेत्र के उसरी गांव के रहने वाले वेद प्रकाश गौतम के सीने में अचानक तेज दर्द होने से उनकी हालत बिगड़ गई। परिजन उनको गंभीर हालत में सीएचसी रसूलाबाद ले गए। वहां मौजूद डॉक्टर ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। इंस्पेक्टर रसूलाबाद सतीश कुमार सिंह ने बताया कि प्राथमिक छानबीन मे हार्ट अटैक से घटना होने की बात सामने आई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद अग्रिम कार्रवाई होगी।

इसी तरह से शिवली कोतवाली क्षेत्र के लालपुर शिवराजपुर गांव में गांधी चबूतरे पर आयोजित गणतंत्र दिवस के मौके पर आयोजित सामारोह में अपने संबोधन के बाद स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पिता स्व. गोकुल प्रसाद चौरसिया को श्रद्धांजलि अर्पित करते समय उनके पुत्र रामसेवक चौरसिया अचानक गश खाकर गिर गए। परिजन उनको गंभीर हालत में अस्पताल ले जाते समय रास्ते में उन्होंने दम तोड़ दिया। शव वापस आते ही उनके घर में कोहराम मच गया। मौके पर पहुंचे एसडीएम राज कुमार पांडेयव चौकी प्रभारी मैथ नरेंद्र सिंह ने उनको पुष्पांजलि दी। इसक बाद परिजनों ने बिठूर में उनके शव का अंतिम संस्कार कर दिया।

भगवान का घर भी सुरक्षित नहीं, शिवालय से शिव पीठ चोरी की वारदात

स्मार्ट हलचल

टहला। पुलिस थानांतर्गत गोलाकाबास वार्ड 11 में स्थित चौथ माता मंदिर में स्थित प्रसिद्ध शिवालय से बीती रात अज्ञात चोरों ने धावा बोलकर शिव पीठ चुरा लिए। घटना की जानकारी सुबह मंदिर में श्रद्धालुओं को तब हुई जब वे पूजा-अर्चना के लिए पहुंचे। उन्होंने टूटे हुए शिवलिंग को देखा और प्रतिमा पर शिव पीठ नहीं मिलने की घटना की सूचना मिलते ही कस्बे के इतने प्रतिष्ठित और केंद्रीय स्थान पर हुई इस चोरी की

घटना ने लोगों में आक्रोश और चर्चा का माहौल बना दिया है।

कस्बे के बीचों-बीच स्थित मंदिर में इस तरह की चोरी की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

संगठन हित के मुद्दों पर की चर्चा

खण्डार में आईएफडब्लूजे की बैठक में किए कई महत्वपूर्ण निर्णय, सर्व सम्मति से कार्यकारिणी की गठित

स्मार्ट हलचल | खण्डार

यहां सोमवार देर शाम उपखण्ड मुख्यालय पर आईएफडब्लूजे संगठन की बैठक जिलाध्यक्ष राजेश शर्मा की अध्यक्षता में हुई। इसमें संगठन हित के मुद्दों व पत्रकारों की समस्याओं के समाधान कराने के मुद्दों पर चर्चा की गई। इस दौरान संगठन जिला महासचिव राजेश गोयल ने बताया कि कार्यकारिणी व पदाधिकारियों की ओर से उखण्ड स्तरीय वार्षिक सदस्यता शुल्क रखने,प्राप्त राशि को संगठन कार्य जैसे बीमा, कन्या विवाह, पत्रकार वेलफेयर आदि कार्यों में खर्च करने पर चर्चा की। कार्यकारिणी की प्रत्येक माह बैठके आयोजित करने, लगातार तीन बैठकों में अनुपस्थित रहने वाले सदस्यों को नोटिस देकर जवाब मांगने तथा संतोषपूर्ण जवाब नहीं मिलने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई करने सहित कई मुद्दों पर चर्चा की गई। इससे पूर्व सर्व सम्मति से खण्डार उपखण्ड क्षेत्र की कार्यकारिणी के चुनाव हुए। इसमें निर्विरोध अध्यक्ष पद के लिए श्रीकांत शर्मा को मनोनीत किया गया। वहीं सलाहकार मण्डल में गिरधर गर्ग, नंन्दलाल तेहकरया, परस जैन, उपाध्यक्ष प्रथम रुपसिंह गुर्जर, द्वितीय मनमोहन शर्मा, महासचिव सतवीर शर्मा, कोषाध्यक्ष मेमराज गुर्जर, सचिव प्रथम रामअवतार मेरोठा, द्वितीय महेन्द्र चौधरी, तृतीय सागर सैनी, चतुर्थ दिनेश कण्डेरा को मनोनीत किया गया। वहीं प्रवक्ता के पद पर बृजेश त्रिवेदी को जिम्मेदारी सौंपी। कार्य समिति सदस्य के रूप में रणवीर माली, छैल बिहारी मथुरिया, विशाल आदि को मनोनीत किया है। इस दौरान मुकेश कुमार जैन, रोहित गुप्ता, नरेन्द्र शर्मा आदि मौजूद थे।

मुस्लिम समाज ने बड़े हर्षोल्लास से देश का 77 वां गणतंत्र दिवस मनाया

स्मार्ट हलचल

हिंडौन। शहर के मुस्लिम समाज द्वारा देश का 77वां गणतंत्र दिवस मुसाफ़िर खाने में झंडारोहण कर पूरे हर्षोल्लास और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाया गया।

कार्यक्रम संयोजक एवं पूर्व उपसभापति नफीस अहमद ने जानकारी देते हुए बताया कि 26 जनवरी को सुबह 9 बजे मुसाफ़िर खाने में आयोजित इस समारोह में शहर पेश इमाम हाफिज शफी ने तिरंगा फहराया। कार्यक्रम के दौरान सर्व समाज के प्रमुख व्यक्तियों का सम्मान कर आपसी भाईचारे और सामाजिक समरसता का संदेश दिया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि मदरसा जामिया अरबिया सिद्दीकिया, कुतकपुर के डायरेक्टर मुफ्ती खलील अहमद क़ासमी ने अपने संबोधन में कहा कि 26 जनवरी 1950 को हमारे देश में संविधान लागू हुआ था। हमें संविधान का पालन करते हुए मिल-जुलकर देश की एकता, अखंडता और प्रगति के लिए निरंतर योगदान देना चाहिए।

कार्यक्रम की शुरुआत में विभिन्न धर्मों के धर्मगुरुओं का सम्मान किया गया। इस अवसर पर हरदेव मंदिर के महंत कैलाश गोस्वामी, कृष्ण मंदिर

के महंत पंडित ब्रह्मदत्त, शहर पेश इमाम हाफिज शफी, स्थानीय गुरुद्वारे के ज्ञानी सरदार जोगेंद्र सिंह तथा गिरजाघर के पास्टर ओमकार को माला एवं साफा पहनाकर सम्मानित किया गया।

समारोह में मुस्लिम समाज की उन प्रतिभाओं को भी सम्मानित किया गया जिन्होंने विभिन्न सरकारी सेवाओं में चयनित होकर समाज का नाम रोशन किया। इनमें आफरीन खान (पटवारी), फैजान खान (अग्निवीर), अली मोहम्मद (रेलवे टेक्नीशियन), शादाब बेग, जुनैद खान (राजस्थान रोडवेज) एवं अग्निशमन विभाग के कार्मिक शामिल रहे।

इसके अतिरिक्त प्रोफेशनल कोर्स में सफलता प्राप्त करने वाले एडवोकेट निदा-उल-हक, डॉ. तोहिद, एडवोकेट उलूम फातिमा को भी सम्मानित किया गया।

सफल मदरसा संचालन के लिए हाफिज शफी, मुफ्ती जाहिद, मुफ्ती सद्दाम एवं मुफ्ती खलील अहमद को सम्मान प्रदान किया गया।

समारोह में विभिन्न सामाजिक, शैक्षणिक एवं प्रशासनिक क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले अनेक गणमान्य नागरिकों को सम्मानित किया गया, जिनमें पूर्व चेयरमैन अमर सिंह धाकड़, रेडक्रॉस सोसायटी के डॉ. रेवती लाल कोली, जाट समाज चौबीसा के अध्यक्ष विष्णु डागुर, निर्मल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के निदेशक मनीष चौधरी, गांधी अकैडमी स्कूल के निदेशक धीरेंद्र चौधरी, पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी ताराचंद जाटव, बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट रघुवीर जाटव, शिक्षाविद मुकुट सिंह गुर्जर, छैल बिहारी पाठक, छगनलाल गुप्ता, शीतल प्रसाद शुक्ला, समाजसेवी अमर सिंह मावई, पूर्व प्रशासनिक अधिकारी महावीर प्रसाद जैन, समाजसेवी विनोद पंडा, सर्राफा संघ अध्यक्ष नरेंद्र आर्य, युवा जाट महासभा के जिला अध्यक्ष करतार चौधरी, महेश सोनी, माली समाज के पटेल रामस्वरूप मेंबर एवं पत्रकार मनोज तिवारी प्रमुख रहे।

सॉफ्टबॉल के नेशनल चैंपियन अदीब अहमद, बॉडी बिल्डिंग में मिस्टर राजस्थान अरशद कुरैशी व बॉडीबिल्डिंग में नॉर्थ जोन में द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले तालिब कुरैशी को भी सम्मानित किया गया।

वक़्फ़ संपत्तियों के पंजीकरण कार्य में सहयोग हेतु मौलाना मुजाहिद, मौलाना अनस एवं मास्टर उबैद को सम्मानित किया गया।

हाजियों की ट्रेनिंग में सहयोग देने पर समाजसेवी मुफीद मनिहार को सम्मान प्रदान किया गया।

इस अवसर पर 10 बार से अधिक रक्तदान करने वाले मुस्लिम समाज के युवाओं शफी ताज, अब्बास अली, सद्दाम शाह, अजहर काज़ी, यूसुफ पठान, अंसार चौधरी, सलीम खान, फैजान खान, आमिर कुरैशी, साकिर मनिहार, दिलशाद मनिहार एवं राशिद को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में अलीज़ा मॉडर्न पब्लिक स्कूल की छात्राओं ने राष्ट्रगान प्रस्तुत किया, वहीं विभिन्न मदरसों के बच्चों ने वतनपरस्ती से ओतप्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं, जिन्हें उपस्थित अतिथियों ने खूब सराहा।

युवा पत्रकार अजीम खान चिनायटा, हनीस शेख एवं कलामुद्दीन खान को भी समाज की उभरती हुई प्रतिभा के रूप में सम्मानित किया गया।

पिछले सत्र में क़ुरान कंठस्थ कर हाफिज़ बनने वाले मोहम्मद जीशान, मोहम्मद कैफ, मोहम्मद फरहान, शकील खान, इरफान खान, शमऊन खान, आकिब खान, मुदस्सिर खान तथा आलिम बनने पर मुफ्ती तजम्मुल, मौलाना मुजम्मिल एवं मौलाना आसिफ का भी सम्मान किया गया।

आयोजन समिति के सदस्य हाफिज बाबुद्दीन, मुफ्ती अब्दुल हमीद, मौलाना मुजाहिद, हाफिज सईद, बब्बू शाह, एडवोकेट इमरान खान, एडवोकेट अब्दुल मुगनी खान, हाजी अब्दुल कदीर मनिहार, सद्दाम कुरैशी, आमिर कुरैशी, हाजी लाला चौधरी, जाहिद हुसैन, सोनू हाड़ौली, आसिफ तेली, बरकत चौधरी, रफीक चौधरी, अजहर काज़ी, क़यामुद्दीन सैफी, शफीक खान, लियाकत अली, फज़लू शाह, रफीक मलिक, मोहम्मद निज़ामुद्दीन, आज़ाद खलीफा एवं अरशद कुरैशी ने सभी अतिथियों का माला व साफा पहनाकर गर्मजोशी से स्वागत किया।

आदिवासी प्रगतिशील संगठन की बड़ी पहलः जयपुर के सामुदायिक भवन में बनेगा हाईटेक शिक्षा का आधुनिक केंद्र

डिजिटल क्लासरूम, कंप्यूटर लैब और स्किल डेवलपमेंट सुविधाओं से सशक्त होंगे आदिवासी व ग्रामीण विद्यार्थी

स्मार्ट हलचल

जयपुर। आदिवासी समाज को शिक्षा और तकनीकी रूप से सशक्त बनाने की दिशा में आदिवासी प्रगतिशील संगठन ने एक ऐतिहासिक और दूरदर्शी पहल की है। संगठन की अगुवाई में जयपुर स्थित सामुदायिक भवन को हाईटेक शिक्षा केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है, जो आने वाले समय में आधुनिक, गुणवत्तापूर्ण और रोजगारोन्मुख शिक्षा का प्रमुख केंद्र बनेगा। इस प्रस्तावित हाईटेक शिक्षा केंद्र में डिजिटल क्लासरूम, स्मार्ट बोर्ड, कंप्यूटर लैब, ई-लाइब्रेरी, ऑनलाइन लर्निंग सिस्टम, करियर गाइडेंस सेल एवं स्किल डेवलपमेंट ट्रेनिंग प्रोग्राम जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इसका उद्देश्य आदिवासी, ग्रामीण एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों को तकनीकी रूप से दक्ष, प्रतिस्पर्धी और आत्मनिर्भर बनाना है।

अध्यक्ष जे.पी. मीणा का बयान आदिवासी प्रगतिशील संगठन के अध्यक्ष श्री जे.पी. मीणा ने कहा – 'यह हाईटेक शिक्षा केंद्र केवल एक भवन नहीं, बल्कि आदिवासी समाज के उज्ज्वल भविष्य की नींव है। हमारा लक्ष्य है कि समाज के हर बच्चे को आधुनिक, गुणवत्तापूर्ण और तकनीकी शिक्षा मिले, ताकि वह आत्मनिर्भर बने और देश के विकास में भागीदार बने। शिक्षा ही समाज को सम्मान, अवसर और नई पहचान दिलाएगी। ' उन्होंने आगे कहा कि संगठन का उद्देश्य युवाओं को केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि कौशल, रोजगार और नेतृत्व क्षमता से भी सशक्त बनाना है।

युवाओं को मिलेगा कौशल, रोजगार और आत्मनिर्भरता का अवसर

हाईटेक शिक्षा केंद्र के माध्यम से युवाओं को डिजिटल स्किल्स, कंप्यूटर ट्रेनिंग, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, स्टार्टअप ओरिएंटेशन, स्वरोजगार प्रशिक्षण और करियर काउंसलिंग जैसी सुविधाएं दी जाएंगी। इससे क्षेत्र के युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे और वे भविष्य की चुनौतियों के लिए बेहतर रूप से तैयार हो सकेंगे।

समाज के विकास की दिशा में दूरदर्शी कदम

यह पहल केवल एक शैक्षणिक परियोजना नहीं, बल्कि आदिवासी समाज के सामाजिक, आर्थिक और बौद्धिक उत्थान का मजबूत माध्यम है। जयपुर के सामुदायिक भवन में बनने वाला यह हाईटेक शिक्षा केंद्र समाज के लिए प्रेरणादायी उदाहरण बनेगा और आने वाली पीढ़ियों के लिए ज्ञान और तकनीक की मजबूत नींव रखेगा।

समाज से सहयोग की अपील

अध्यक्ष जे.पी. मीणा ने समाज के भामाशाहों, युवाओं एवं प्रबुद्धजनों से अपील की कि वे इस शिक्षा अभियान में सहयोग करें, ताकि यह केंद्र शीघ्र प्रारंभ होकर अधिक से अधिक विद्यार्थियों को लाभ पहुंचा सके।

वैन की टक्कर से बाइक सवार वृद्ध की मौत, बेटा गंभीर घायल

स्मार्ट हलचल

मंडावर। थाना क्षेत्र के ऊकरूंद गांव में मंगलवार सुबह भीषण सड़क हादसे में एक वृद्ध की जान चली गई और उनका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार नानकराम मीणा (68) पुत्र जिम्बूराम मीणा निवासी उकरूंद अपने बेटे हबलेश मीणा के साथ उसको इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन पकड़वाने के लिए सुबह करीब साढ़े 7 बजे मोटरसाइकिल से मंडावर रेलवे स्टेशन जा रहा था। इसी दौरान टहलडी चौराहे के पास पहुँचे। जहां सामने से आ रही एक तेज रफ्तार अज्ञात वैन ने अनियंत्रित होकर उनकी मोटरसाइकिल को जबरदस्त टक्कर मार दी। जिससे उनकी मोटरसाइकिल पास ही स्थित एक खाई में जा गिरी और दोनों पिता-पुत्र सड़क के दूसरी ओर जा गिरे। जहां सड़क हादसे को देख मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। भीड़ ने तुरंत सड़क हादसे की सूचना पुलिस

को दी। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और तत्परता दिखाते हुए घायलों को राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मंडावर में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों ने नानकराम मीणा को मृत घोषित कर दिया। वहीं हबलेश मीणा की गंभीर हालत होने पर प्राथमिक उपचार कर जयपुर रैफर कर दिया गया। वहीं पुलिस ने मृतक नानकराम मीणा के शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया। इधर सड़क हादसे के बाद समाचार लिखें जाने तक मृतक की ओर थाना पुलिस मे मामले से संबंधित कोई मुकदमा दर्ज नहीं हुआ है।

नरेगा बचाओ अभियान को लेकर कांग्रेस की बैठक आयोजित

स्मार्ट हलचल

मेड़ता रोड। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (नरेगा) को कमजोर किए जाने के आरोपों के बीच कांग्रेस पार्टी द्वारा मंगलवार को मेड़ता रोड में नरेगा बचाओ अभियान के तहत एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन नायक समाज भवन में किया गया। बैठक में नरेगा योजना में हो रही कथित बजट कटौती, मजदूरी भुगतान में देरी, काम के दिनों में कमी और श्रमिकों के अधिकारों पर हो रहे हमलों को लेकर गहन चर्चा की गई।

बैठक में कांग्रेस के नागौर जिला अध्यक्ष हनुमान राम बांगड़, मेड़ता के पूर्व विधायक रामचंद्र जारोड़ा,युवा कांग्रेस उपाध्यक्ष आमिर खान, हाजी हनीफ मोहम्मद, अहमद अली, वसीम, पीर मोहम्मद, फारूक, जमील, अहमद मुनीर अहमद, सलीम अहमद, रामराज कापड़ी, रविंद्र श्रवण, भंवर लाल गुर्जर, तथा समीउल्लाह सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता, ब्लॉक अध्यक्ष, पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में

कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी वक्ताओं ने एक सुर में केंद्र सरकार पर नरेगा जैसी जनकल्याणकारी योजना को कमजोर करने का आरोप लगाया।

बैठक को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि नरेगा ग्रामीण गरीबों, बेरोजगारों और मजदूर वर्ग के लिए जीवनरेखा साबित हुई है। इस योजना ने करोड़ों परिवारों को रोजगार देकर पलायन रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, लेकिन वर्तमान सरकार की नीतियों के चलते नरेगा का मूल उद्देश्य प्रभावित हो रहा है।

कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार द्वारा नरेगा के बजट में लगातार कटौती की जा रही है, जिससे गांवों में रोजगार के अवसर घट रहे हैं। समय पर मजदूरी का भुगतान नहीं होने से श्रमिकों को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जानबूझकर योजना को कमजोर किया जा रहा है ताकि गरीब और मजदूर वर्ग की आवाज को दबाया जा सके।

नागौर जिला कांग्रेस अध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा कि कांग्रेस पार्टी नरेगा को बचाने के लिए सड़क से संसद तक संघर्ष करेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे गांव-गांव जाकर नरेगा के तहत मिलने वाले अधिकारों की जानकारी आमजन तक पहुंचाएं और सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ जनजागरूकता फैलाएं।

बैठक में भविष्य की रणनीति पर भी विस्तार से चर्चा की गई। तय किया गया कि नरेगा बचाओ अभियान के तहत आगामी दिनों में जनसभाएं, धरना-प्रदर्शन, ज्ञापन सौंपने और आंदोलनात्मक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि केंद्र सरकार पर दबाव बनाया जा सके।

इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने मनरेगा का नाम बदलकर 'जीरामजी' किए जाने के कथित प्रयासों पर भी कड़ा विरोध जताया। नेताओं ने कहा कि महात्मा गांधी के नाम से जुड़ी इस योजना की पहचान को मिटाने का प्रयास किया जा रहा है, जिसे कांग्रेस किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं करेगी।

बैठक के अंत में सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर नरेगा योजना को मजबूत बनाए रखने, मजदूरों के हितों की रक्षा करने और आने वाले चुनावों में भाजपा को सत्ता से बाहर कर कांग्रेस की सरकार बनाने का संकल्प लिया।

नया और विकसित भारत अभियान के अंतर्गत न्यू इंडिया ट्रस्ट द्वारा गणतंत्र दिवस समारोह आयोजित

स्मार्ट हलचल

जयपुर। वैशाली नगर स्थित डॉक्टर्स कॉलोनी पार्क में धूमधाम से 77वाँ गणतंत्र दिवस समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में श्री अपूर्वे सक्सेना, अध्यक्ष भारत युवा-वाहिनी के द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। यह समारोह विशेष रूप से गोविंद नगर, गोपाल नगर एवं डॉक्टर्स कॉलोनी विकास समितियों के साथ मिलकर संपन्न हुआ।

इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अपूर्व सक्सेना द्वारा वर्तमान में देश के विकास में नागरिकों की भूमिका पर जोर देते हुए नए और विकसित भारत अभियान की महत्त्वता पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर तीनों कॉलोनी से जुड़े समाजसेवियों एवं विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए योगदान देने वाले 21 गणमान्यों को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह के रूप में पौधा प्रदान कर सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि नए और विकसित भारत अभियान के परियोजना प्रबंधक योगेश कुमार शर्मा एवं परियोजना निर्देशक संजय सक्सेना द्वारा नागरिकों को शपथ दिलाते हुए अभियान के विषय में विस्तृत जानकारी दी गई।

समूह में मुख्य अतिथि द्वारा तीनों कॉलोनियों के मुख्य पदाधिकारियों सहित 75 निवासियों को इस अभियान की सदस्यता दिलाई गई एवं प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

इस अवसर पर विकास समितियों के अध्यक्ष – अजीत भारद्वाज (डॉक्टर्स कॉलोनी), रामजस जाट (गोविंद नगर) एवं श्याम सिंह (गोपाल नगर) – ने अपने-अपने उद्बोधन में न्यू इंडिया ट्रस्ट के इस नए और विकसित भारत अभियान की प्रशंसा की तथा इसे विकसित भारत एवं समाज के लिए आवश्यक बताया। कार्यक्रम का संचालन संजय सक्सेना द्वारा किया गया। इस अवसर पर वीरेंद्र सिंह, पंकज सैनी, अजय भार्गव, रजत शर्मा, दीनदयाल , अजय शर्मा, माधो सिंह , गोपाल लाल , कैलाश सैनी, प्रमोद चोटिया, दीपक राठी, गोविंद सिंह, रामस्वरूप गौड़ आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं एवं समापन पर मिठाई वितरित की गई।

हर्षोल्लास, उत्साह और देशभक्ति के वातावरण में मनाया गया 77वां गणतंत्र दिवस

स्मार्ट हलचल

मेड़ता रोड। मेड़ता रोड क्षेत्र सहित जारोड़ा कलां, खेड़ूली, ढावा, दत्तानी, भूणांस, जैसास एवं जारोड़ा गूजरान गांवों में 77वां गणतंत्र दिवस पूरे हर्षोल्लास, उमंग और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। राष्ट्रीय पर्व को लेकर क्षेत्रभर में विशेष उत्साह देखने को मिला। सुबह से ही विद्यालयों, सरकारी संस्थानों एवं सार्वजनिक स्थलों पर तिरंगे झंडे फहराए गए और देशभक्ति के नारों से वातावरण गूंज उठा।

मुख्य समारोह पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जारोड़ा कलां में भव्य रूप से आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मेड़ता के पूर्व विधायक रामचंद्र जारोड़ा रहे, जिन्होंने विधिवत ध्वजारोहण कर समारोह का शुभारंभ किया। ध्वजारोहण के पश्चात राष्ट्रगान का सामूहिक गायन हुआ, जिससे उपस्थित जनसमूह में देशभक्ति का भाव उमड़ पड़ा।

विद्यालय परिसर को दुल्हन की तरह सजाया गया था। मंच और

प्रांगण को तिरंगे गुब्बारों, झंडियों एवं आकर्षक सजावटी सामग्री से सुसज्जित किया गया, जिससे पूरा वातावरण राष्ट्रीय रंगों में रंगा नजर आया।

मुख्य समारोह में विद्यार्थियों द्वारा एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। देशभक्ति गीतों, समूह नृत्य, नाट्य प्रस्तुतियों और प्रेरणादायक झांकियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने देश के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। अनुशासित परेड और सलामी के माध्यम से विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और गर्व की भावना व्यक्त की, जिसे उपस्थित दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से सराहा।

इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ, ग्रामवासी, अभिभावक, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। वक्ताओं ने अपने संबोधन में भारतीय संविधान की महत्ता, लोकतांत्रिक मूल्यों, देश की एकता एवं अखंडता तथा राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। समारोह का समापन राष्ट्र के प्रति निष्ठा, समर्पण और देश सेवा के संकल्प के साथ किया गया। 77वें गणतंत्र दिवस का यह आयोजन सभी के लिए प्रेरणादायक, भावनात्मक और स्मरणीय बनकर रहा।

चित्रांशी सेवा फाउंडेशन सेवा कार्यो के लिए जिला स्तर पर सम्मानित

स्मार्ट हलचल | ओम जैन

शंभूपुरा।चित्तौड़गढ़ जिला मुख्यालय पर आयोजित गणतंत्र दिवस 26 जनवरी पर जिला स्तरीय सम्मान समारोह में चित्रांशी सेवा फाउंडेशन को सम्मानित किया गया।

इस समारोह में मंत्री गौतम दक, सांसद सीपी जोशी, चित्तौड़गढ़ विधायक चन्द्रभान सिंह आक्या, जिला कलेक्टर आलोक रंजन एवं जिला पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी द्वारा फाउंडर ज्ञानेश्वरी पूरी गोस्वामी को प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

ज्ञानेश्वर पूरी ने बताया कि संस्थान का उद्देश्य जनसेवा एवं समाज के अंतिम व्यक्ति के पास पहुंच मानव सेवा कार्य करना है। इसका श्रेय मेरी पुरी टीम को जाता है, गणतंत्र दिवस पर जिला स्तरीय सम्मान समारोह में सम्मानित होना हम सभी के लिए गर्व और प्रेरणा का क्षण है।

77 वें गणतंत्र दिवस पर ग्राम पंचायत राहौली में सम्मान समारोह और ग्राम सभा आयोजित

विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर किया सम्मानित

स्मार्ट हलचल

निवाई। 77 वें गणतंत्र दिवस राष्ट्रीय पर्व पर ग्राम पंचायत राहौली में सम्मान समारोह और ग्राम सभा का आयोजन मुख्य अतिथि जिला परिषद सदस्य रामजीलाल बैरवा की उपस्थिति शासक फूला देवी की अध्यक्षता में किया गया जिसमें ग्राम पंचायत द्वारा क्षेत्र के वर्तमान और पूर्व जनप्रतिनिधिगण, प्रशासकीय समिति सदस्यों, अधिकारी, निष्पक्ष पत्रकारिता, कर्मचारीगणों, समाज सेवकों, भामाशाहों को माला साफा, शॉल, प्रशस्ति पत्र और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। ग्राम विकास अधिकारी राकेश बैरवा ने बताया कि राष्ट्रीय पर्व 77वे गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किया गया, पत्रकार भरत देवड़वाल सामाजिक कार्यों व पत्रकारिता क्षेत्र मे उत्कृष्ट कार्य करने पर सम्मानित हुए, कर्मचारी, आशा सबनानी, हरू प्राकृतिक आपदा के दौरान बांडी नदी में डूबने वाले लोगों को जान जोखिम डालकर सकुशल बचाने वाले जीतराम मीणा, रमेश मीणा, बहादुर सिंह, सत्यनारायण, मुकेश मीणा, लादू, हीरा लाल, भामाशाह शंकर अटल को जिला परिषद सदस्य रामजीलाल बैरवा, प्रशासक फूला मीणा, खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा सम्मानित किया गया।

इस दौरान कार्यक्रम में पीएम श्री के प्रिंसिपल योगेन्द्र सिंह नरुका, चिकित्सा अधिकारी प्रांजल अग्निहोत्री, गिरदावर धोलू मीणा, राजेंद्र मीणा, हनुमान सीआर प्रतापपुरा , मधुसूदन शर्मा, कमलेश चावला, प्रकाश जैन, छतरपाल सिंह, संदीप सिंह,छोटू सैनी, संतराम मीणा, मुकेश चावला, रामलाल बैरवा, मानसिंह मीणा,ललिता स्वामी, प्रहलाद मीणा, आशीष मीणा और ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

किसान के बेटे पिंटू लाल मीणा को कृषि में उत्कृष्ट कार्य पर राज्यपाल का सम्मान

गणतंत्र दिवस 2026 पर सवाई मानसिंह स्टेडियम में मिलेगा सम्मान, लोकभवन जयपुर के एटहोम कार्यक्रम में भी विशेष आमंत्रण

स्मार्ट हलचल

जयपुर। किसान परिवार से निकलकर कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय और नवाचारपूर्ण कार्य करने वाले सहायक कृषि अधिकारी पिंटू लाल मीणा (पहाड़ी) को गणतंत्र दिवस 2026 के अवसर पर राज्य स्तरीय समारोह में उत्कृष्ट कृषि सेवा के लिए सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान सवाई मानसिंह स्टेडियम, जयपुर में आयोजित मुख्य समारोह में मुख्यमंत्री द्वारा योग्यता प्रमाण पत्र प्रदान कर दिया जाएगा। साथ ही राज्यपाल द्वारा लोकभवन जयपुर में आयोजित एटहोम कार्यक्रम एवं फोटो सेशन में भी पिंटू लाल मीणा को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है, जो उनके कार्यों की राज्य स्तर पर बड़ी मान्यता मानी जा रही है।

सोशल मीडिया से बदली किसानों की सोच, बढ़ाया उत्पादन

गौरतलब है कि पिंटू लाल मीणा किसानों को उन्नत कृषि तकनीक, बेहतर फसल उत्पादन, संरक्षित खेती, आधुनिक कृषि पद्धतियों और सरकारी योजनाओं की जानकारी सोशल मीडिया और अन्य डिजिटल माध्यमों से देशभर के किसानों तक पहुंचाते रहे हैं। उनके प्रयासों से किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन, योजनाओं का सीधा लाभ और बेहतर उत्पादन के अवसर मिले हैं, जिससे कई किसानों की आय और जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

उत्तरप्रदेश में भी दे चुके हैं कृषि प्रशिक्षण

मीणा की कार्यशैली की पहचान राज्य तक ही सीमित नहीं रही। उन्हें उत्तरप्रदेश के कृषि विभाग द्वारा वहां के किसानों को प्रशिक्षण देने एवं कृषि में सोशल मीडिया के महत्व पर मार्गदर्शन देने के लिए आमंत्रित किया गया था। इस दौरान उत्तरप्रदेश के कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही ने भी उनके योगदान की सराहना की थी।

देशभर में मिल चुके हैं कई बड़े सम्मान

पिंटू लाल मीणा को अब तक कई राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय सम्मानों से नवाजा जा चुका है। प्रमुख सम्मानों में –दिल्ली के उपराज्यपाल द्वारा सम्मान, उत्तरप्रदेश के कृषि मंत्री द्वारा सम्मान, राजस्थान के पूर्व कृषि मंत्री प्रभुलाल सैनी द्वारा सम्मान, राजेन्द्र राठौड़ द्वारा सम्मान, आयुक्त कृषि, जयपुर द्वारा सम्मान, करौली, धौलपुर, गंगापुरसिटी एवं सवाई माधोपुर के जिला कलेक्टरों द्वारा सम्मान, नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय, फैजाबाद द्वारा सम्मान, गंगापुरसिटी अतिरिक्त कलेक्टर एवं उपखंड अधिकारियों द्वारा सम्मान, इसके अलावा कई सरकारी, गैर-सरकारी एवं सामाजिक संस्थाओं ने भी उन्हें कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया है।

प्रेरणा बने पिंटू लाल मीणा, किसानों के लिए नई उम्मीद

किसान के बेटे से राज्य स्तरीय सम्मान तक का सफर तय करने वाले पिंटू लाल मीणा आज प्रदेश के किसानों के लिए प्रेरणा का प्रतीक बन चुके हैं। उनका कार्य यह साबित करता है कि तकनीक, समर्पण और सही मार्गदर्शन से कृषि को लाभ का व्यवसाय बनाया जा सकता है।

77वें गणतंत्र दिवस पर उपजिला स्तरीय कार्यक्रम में पत्रकार संजय तिवारी पत्रकार संघ अध्यक्ष सम्मानित

स्मार्ट हलचल

जयपुर-निवाई। 77वें गणतंत्र दिवस के उपलक्ष में उपजिला स्तरीय कार्यक्रम में पत्रकारिता क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर राजस्थान पत्रिका पत्रकार निवाई संजय तिवारी, पत्रकार संघ अध्यक्ष, को सम्मानित किया गया। उपखंड अधिकारी प्रीति मीणा, तहसीलदार नरेश गुर्जर और पुलिस उप अधीक्षक रवि शर्मा ने उन्हें प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। संजय तिवारी की निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता ने जनहित के मुद्दों को उजागर कर समाज और प्रशासन के बीच सेतु का कार्य किया, जो मीडिया जगत के लिए गर्व का विषय है। यह सम्मान उनकी मेहनत और पत्रकारिता के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

डांट की जगह प्यार, मोबाइल की जगह पढ़ाई...

नया साल सिर्फ बच्चों के लिए ही नहीं, बल्कि पेरेंट्स के लिए भी आत्ममंथन का समय होता है। अगर माता–पिता कुछ अच्छे रेज़ोल्यूशन्स अपनाएं, तो बच्चों की परवरिश और भविष्य दोनों बेहतर बन सकते हैं। आज के समय में परफेक्ट पेरेंट नहीं, प्रेज़ेंट पेरेंट बनना ज़रूरी है। जब माता–पिता बदलते हैं, तो बच्चे खुद–ब–खुद बेहतर बनते हैं।

बच्चों को समय देने का रेज़ोल्यूशन

आज की भागदौड़ में सबसे ज़्यादा कमी क्वालिटी टाइम की होती है। रोज़ कम से कम 30 मिनट बिना मोबाइल बच्चों के साथ बिताएं, उनकी बातें ध्यान से सुनें। इससे बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है। बच्चे देखकर सीखते हैं। खुद का स्क्रीन टाइम कम करें, खाने और बात करते समय मोबाइल दूर रखें। इससे बच्चों में डिजिटल लत से बचाव होगा

हेल्दी खानपान की आदत खुद अपनाएंगे

जंक फूड कम करें। घर के खाने को प्राथमिकता दें। बच्चा भी वही खाएगा जो माता–पिता खाते हैं। उन्हें नेचर से जोड़ें। बच्चों को कृतज्ञता, विनम्रता सिखाने से अच्छे संस्कार विकसित होते हैं

बच्चों की नींद को प्राथमिकता देंगे

इस बात का प्रण लें कि देर रात मोबाइल/टीवी की आदत नहीं फिक्स स्लीप रूटीन अपनाएंगे। इससे बच्चे की ग्रोथ, इम्युनिटी और पढ़ाई पर असर पड़ता है। उनकी फीलिंग्स को नज़रअंदाज ना करें, डर, गुस्सा, उदासी पर खुलकर बात करें। इससे बच्चा इमोशनली मजबूत बनता है

तुलना करना बंद करेंगे

किसी और बच्चे से अपने बच्चे की तुलना ना करें। बच्चे की यूनिक पहचान को स्वीकार करेंगे। इससे मेंटल प्रेशर और हीन भावना नहीं आती। बच्चे को नंबर से ज़्यादा सीखाने पर फोकस करें। गलती पर डांट नहीं, समझाएं, इससे सीखने का डर खत्म होता है। सिर्फ सख्ती नहीं प्यार और नियम दोनों का संतुलन। इससे बच्चा बात छुपाने की बजाय शेयर करना सीखेगा।

सर्दी में नवजात शिशु की कैसे करें देखभाल?

सर्दियों में सेहत का ध्यान बहुत रखना पड़ता है. छोटे हों या फिर बड़े इस मौसम में हर कोई सर्दी–खांसी और मौसमी बीमारियों से ग्रस्त हो सकता है. ऐसे में नवजात शिशु की देखभाल तो बहुत जरूरी और महत्वपूर्ण हो जाती है, क्योंकि उनकी त्वचा और शरीर अभी भी विकसित हो रहे होते हैं. हैदराबाद के यशोदा हॉस्पिटल्स में कंसल्टेंट पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजिस्ट, डॉ. एन. वर्षा मोनिका रेड्डी ने बताया कि सर्दी के मौसम में न्यूबॉर्न बेबी की देखभाल करने के लिए क्या करना चाहिए.

बच्चे की सेफ्टी

कमरे के तापमान के लिए आदर्श रेंज 20–22एष्ट (68–72एस्न) है. दम घुटने के जोखिम को कम करने के लिए, ढीली रजाई की जगह स्लीप बैग या पहनने वाली कंबल का इस्तेमाल करें. बच्चे को पालने में पीठ के बल लिटाएं, जिसमें तकिए, बंपर या भारी कंबल बिल्कुल न हों. बाहर उनके सिर, हाथों और पैरों को ढकें. घर के अंदर टोपी की जरूरत नहीं है जब तक कि जगह हवादार न हो.

हाइड्रेशन और मॉइश्चराइजेशन

सर्दियों में मौसम में इस बात का ध्यान दें कि आपका बच्चा अच्छी तरह से हाइड्रेटेड और मॉइस्चराइज्ड रहें. न्यूबॉर्न बच्चों को हर दो से तीन दिन में गुनगुने पानी और पेट्रोलियम जेली जैसी खुशबू रहित चीजों से नहलाना चाहिए, क्योंकि ठंडी हवा उनकी नाजुक त्वचा को डिहाइड्रेट कर देती है, जिससे दरारें या डर्मेटाइटिस हो सकता है. बच्चों को अतिरिक्त पानी की जरूरत नहीं होती है, इसलिए उन्हें नियमित रूप से फॉर्मूला या ब्रेस्ट मिल्क देते रहें. डिहाइड्रेशन के संकेतों के लिए गीले डायपर चेक करें, हर दिन कम से कम छह डायपर बदलने की कोशिश करें.

इम्यूनिटी बढ़ाएं

सर्दियों में फ्लू और आरएसवी जैसे वायरस आते हैं. ऐसे में ध्यान रखें कि आपके बच्चे के टीकाकरण पूरे हों, जिसमें छह महीने की उम्र से फ्लू का टीका भी शामिल है. मेहमानों को सीमित करें, खासकर जिन्हें सर्दी–जुकाम हो और सुनिश्चित करें कि वे अपने हाथ धोएं. हीटर से होने वाली सूखी इनडोर हवा से लड़ने और कंजेशन और खांसी को कम करने के लिए, कूल–मिस्ट ह्यूमिडिफायर का इस्तेमाल करें.

बाहर जाने के लिए जरूरी चीजें

अगर ज्यादा ठंड नहीं है, तो छोटी–मोटी सैर की जा सकती है. अगर हवा चल रही है या प्रदूषण है, तो बाहर न जाएं.

परेशानी के संकेत?

सुस्ती, ठीक से खाना न खाना, बुखार या सांस लेने में दिक्कत होने पर तुरंत हॉस्पिटल जाना जरूरी है.

बच्चों के बचपन में पेरेंट्स को भूलकर भी नहीं करनी चाहिए ये 5 गलतियां

बड़े होकर हो सकती हैं कई परेशानियां

हर माता-पिता अपने बच्चे की खुशी के लिए अच्छी से अच्छी परवरिश करना चाहते हैं. लेकिन कई बार कुछ सिखाने और लाड-प्यार के कारण पेरेंट्स जाने-अनजाने कुछ ऐसी गलतियां कर बैठते हैं जो बच्चे के भविष्य पर काफी ज्यादा नेगेटिव असर डालती है. हर मां-बाप को ध्यान रखना चाहिए कि एक बच्चे का बचपन ही उसके पूरे जीवन की नींव होता है. इस दौरान की गई छोटी से छोटी लापरवाही बच्चे के फ्यूचर पर मानसिक और भावनात्मक रूप से नेगेटिव प्रभाव डाल सकती है. ऐसी गलतियों से बच्चों का आत्मविश्वास टूट सकता है और वे डरपोक भी बन सकते हैं. इसी कड़ी में आज हम आपको 5 ऐसी पेरेंटिंग गलतियों के बारे में बताने जा रहे हैं जो माता-पिता अक्सर करते हैं. इन गलतियों से बच्चों को बड़े होकर काफी ज्यादा परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है.

1. दूसरों से तुलना

कई बार जब बच्चों की पढ़ाई या खेल–कूद में अच्छी परफॉर्मेंस नहीं रहती है तो पेरेंट्स दूसरे बच्चों से तुलना करते हैं. इससे बच्चे खुद को दूसरों से काफी कम समझना शुरू कर देते हैं, जो कि काफी गलत है. इससे बच्चों का कॉन्फिडेंस भी टूट सकता है. ऐसे में दूसरों से तुलना करने की जगह आप बच्चों की तारीफ और प्रोत्साहित करें.

2. हमेशा कंट्रोल करने की आदत

कई माता–पिता अपने बच्चों को छोटी–छोटी चीजों पर काफी ज्यादा टोकते हैं या फिर उन्हें कंट्रोल करना शुरू कर देते हैं. हालांकि बच्चों को सीखाना और गलतियों पर समझाना भी काफी जरूरी होता है. लेकिन बार–बार एक ही चीज को लेकर कंट्रोल करने से उनकी डिसीजन लेने की क्षमता काफी कमजोर हो सकती है. ऐसे में बच्चों को दूसरों पर निर्भर रहने की आदत पड़ जाती है.

3. प्यार न दिखाना

अक्सर पेरेंट्स ये सोचते हैं कि ज्यादा लाड–प्यार दिखाने से बच्चा बिगड़ सकता है या फिर गलत फायदा उठा सकता है. लेकिन सच्चाई ये है कि मां–बाप के प्यार दिखाने से बच्चे खुद को मानसिक रूप से मजबूत और सुरक्षित महसूस करते हैं. ऐसे में आप बच्चों के बचपन में उन्हें प्यार दिखाने में बिल्कुल भी कंजूसी न करें.

4. बच्चों की फीलिंग्स को न समझना

छोटे बच्चे अक्सर छोटी–छोटी बातों पर रोना शुरू कर देते हैं और इसपर पेरेंट्स उन्हें डांट देते हैं कि इतनी छोटी बात पर रो क्यों रहे हो? पेरेंट्स का ये व्यवहार बच्चों पर काफी नकारात्मक प्रभाव डालता है. इससे वे अपने इमोशन्स दबाना सीख जाते हैं और छोटी से लेकर बड़ी बातों को माता–पिता से छिपाना शुरू कर देते हैं. ऐसे में पेरेंट्स को बच्चों की फीलिंग्स समझना काफी जरूरी है.

5. परफेक्शन की चाहत

हर मां–बाप चाहते हैं कि उनका बच्चा पढ़ाई से लेकर खेल तक हर फील्ड में टॉप परफॉर्मर रहे. लेकिन कई बार परफेक्शन का दबाव बच्चों में फेल होने का डर बढ़ा देता है. ऐसे में पेरेंट्स को बच्चों पर परफेक्शन का दबाव बनाने से बचना चाहिए.

जो भी पढ़ेंगे सब रहेगा याद बस पढ़ाई से पहले बच्चों को पिलाएं ये ब्रेन बूस्टिंग शेक

अक्सर माता–पिता की शिकायत होती है कि बच्चे पढ़ाई तो करते हैं, लेकिन उन्हें याद नहीं रहता। इसकी एक बड़ी वजह कमजोर याददाश्त और कम एकाग्रता हो सकती है। ऐसे में बच्चों की डाइट में सही पोषण शामिल करना बहुत जरूरी है। सर्टिफाइड न्यूट्रिशनिस्ट राजमनी पटेल ने एक आसान और हेल्दी ब्रेन बूस्टिंग शेक की रेसिपी शेयर की है, जिसे पढ़ाई से पहले पीने पर बच्चों की मेमोरी और फोकस बेहतर हो सकता है।

क्या है ब्रेन बूस्टिंग शेक?

यह शेक पूरी तरह नेचुरल चीजों से बनाया जाता है, जो दिमाग को एक्टिव रखने, याददाश्त मजबूत करने और पढ़ाई के समय ध्यान बढ़ाने में मदद करता है। इसे सुबह नाश्ते में या शाम को पढ़ाई से पहले दिया जा सकता है।

ब्रेन बूस्टिंग शेक की सामग्री

- 1 पका हुआ केला
- 5–6 अखरोट (भीगे हुए)
- 1 गिलास दूध
- 1 चम्मच शहद या 1–2 खजूर
- 1 चुटकी दालचीनी पाउडर

कैसे बनाएं यह शेक?

सबसे पहले अखरोट को रातभर या कम से कम 4–5 घंटे पानी में भिगो दें। अब ब्लेंडर में केला, भीगे हुए अखरोट, दूध और शहद या खजूर डालें। सभी चीजों को अच्छी तरह ब्लेंड करें, जब तक शेक स्मूद और क्रीमी न हो जाए। अंत में ऊपर से थोड़ा दालचीनी पाउडर डालें और शेक तैयार है। इसे ठंडा या सामान्य तापमान पर पिलाया जा सकता है।

क्यों है यह शेक बच्चों के लिए फायदेमंद?

केला बच्चों को तुरंत ऊर्जा देता है और दिमाग को फोकस करने में मदद करता है। अखरोट में मौजूद ओमेगा–3 फैटी एसिड और एंटीऑक्सीडेंट याददाश्त और सीखने की क्षमता बढ़ाते हैं। दूध प्रोटीन, कैल्शियम और विटामिन क्12 से भरपूर होता है, जो दिमाग और नर्वस सिस्टम को मजबूत बनाता है। दालचीनी ब्लड सर्कुलेशन बेहतर करती है, जिससे ब्रेन ज्यादा एक्टिव रहता है।

किन बातों का रखें ध्यान?

अगर बच्चे को लैक्टोज इनटॉलरेंस है, तो दूध की जगह बादाम या ओट्स मिल्क इस्तेमाल करें। अखरोट ज्यादा मात्रा में न डालें, वरना पेट फूलने की समस्या हो सकती है। इस शेक को रात में देर से न दें, क्योंकि इससे भारीपन महसूस हो सकता है। यह ब्रेन बूस्टिंग शेक बच्चों के लिए एक हेल्दी और आसान विकल्प है, जो पढ़ाई से पहले देने पर उनकी याददाश्त और एकाग्रता बढ़ाने में मदद कर सकता है। हालांकि, किसी भी हेल्थ रेसिपी को नियमित रूप से अपनाने से पहले डॉक्टर या न्यूट्रिशन एक्सपर्ट की सलाह लेना बेहतर होता है।

छोटे बच्चों को चाय और कॉफी देना कितना सही है

घर पर हर कोई सुबह उठते ही चाय–कॉफी पीता है, जो बच्चे अपने माता–पिता को रोज घर पर चाय–कॉफी पीते देखते हैं, उनमें भी इसे पीने की इच्छा जागती है. वे चाय–कॉफी मांगने भी लगते हैं. एक्सपर्ट के अनुसार, चाय–कॉफी बड़ों की हेल्थ के लिए अच्छी नहीं होतीं, क्योंकि इनमें कैफीन की मात्रा अधिक होती है. चाय में टैनिन नामक पदार्थ होता है. यह हमारे शरीर को भोजन से आयरन को अवशोषित करने से रोकता है. ऐसे में अगर बच्चों को ऐसी चीजें दें, तो क्या होगा? चलिए आपको बताते हैं बच्चों को चाय और कॉफी देना कितना सही है.

छोटे बच्चों को चाय और कॉफी दें तो क्या होगा?

एक्सपर्ट के अनुसार, दस साल से कम उम्र के बच्चों को गलती से भी चाय और कॉफी नहीं देनी चाहिए. यह उनके स्वास्थ्य के लिए बहुत हानिकारक हो सकता है. इनका शारीरिक विकास पर गहरा प्रभाव पड़ सकता है, ये बच्चों के पाचन तंत्र को भी प्रभावित करते हैं. चाय और कॉफी में कैफीन होता है, जो पेट में अन्य पोषक तत्वों के अवशोषण को रोकता है. इससे बच्चों का शारीरिक विकास धीमा हो जाता है.

नींद की समस्या

चाय और कॉफी में मौजूद कैफीन मानसिक सतर्कता को सीधे प्रभावित कर सकता है. इससे नींद का सामान्य चक्र बिगड़ सकता है. आपके बच्चे दिन में या शाम को चाय पीते हैं, तो इससे उनकी नींद में खलल पड़ सकता है. इससे नींद संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं.

हार्ट हेल्थ

चाय और कॉफी बुजुर्गों से लेकर बच्चों तक सभी के स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डालती हैं. चाय में मौजूद कैफीन हार्ट को नुकसान पहुंचा सकता है और ब्लड प्रेशर को बढ़ा सकता है.

डिप्रेशन

कैफीन डिप्रेशन को बढ़ाने के लिए पर्याप्त है. चाय और कॉफी शरीर में कैफीन के मुख्य स्रोत हैं. चाय पीने से चिंता, अवसाद और तनाव जैसी समस्याएं बढ़ जाती हैं. आपके बच्चे भी चाय पीते हैं, तो उन्हें भी इन समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है.

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com